आज का विचार

सभ्यता का अर्थ बड़े मकान या कीमती कपड़े नहीं, बल्कि ऊंचे विचार और दयालु व्यवहार है।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 16 मार्च, 2026 वर्ष 23, अंक 65, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

पंजाब में निवेश करें, सरकार आपको पूरा सहयोग और रियायतें देगी: भगवंत सिंह मान

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने तीन-दिवसीय प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन के समापन अवसर पर उद्यमियों को किया संबोधित

यज्ञांश शर्मा

एस.ए.एस. नगर (मोहाली)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज एस.ए.एस. नगर (मोहाली) में तीन-दिवसीय प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन के अंतिम दिन उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए उद्योग के लिए सरकार की ओर से पूरा सहयोग और रियायतों का भरोसा दिया। वैश्विक और राष्ट्रीय निवेशकों की मजबूत साझेदारी का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि इस सम्मेलन ने औद्योगिक विकास के लिए ऐसा माहौल बनाया है, जो राज्य की आर्थिक तरक्की को और रफ्तार देगा। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार सम्मेलन के दौरान दिए गए निवेश प्रस्तावों और प्रोजेक्टों की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए छह महीने बाद समीक्षा सत्र करेगी। ऐतिहासिक प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन के समापन वाले दिन कारोबारी दिग्गजों के साथ विचार-विमर्श के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस सम्मेलन में शामिल होने और राज्य की आर्थिक तरक्की में सक्रिय साझेदार बनने के लिए यहां आए सम्मानित व्यक्तित्वों के समर्पण को बयान करने के लिए मेरे पास शब्द भी कम पड़ जाएंगे। दुनिया भर के अग्रणी औद्योगिक नेता इस ऐतिहासिक और प्रगतिशील सम्मेलन में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि दूरदर्शी और सूझवान नेता वही होता है जो हर तरह के माहौल और चुनौतियों के लिए अपनी टीम को तैयार रखे, और राज्य सरकार इसी तर्ज पर काम कर रही है।

राज्य के लोगों के जुनून और जज्बे के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाबी हमेशा सूझवान नेता के रूप में विचरते हैं और हम देश और इसके लोगों के लिए कुछ भी कर

सकते हैं क्योंकि देश हमारे लिए सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक नया उभरता क्षेत्र है लेकिन मानव मस्तिष्क इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, जो मानव संसाधन के विकास के लिए अच्छा है। यह देखकर खुशी होती है कि नीति निर्माण के फैसलों में कारोबारी तेजी से ध्रुव बनकर उभर रहे हैं। सम्मेलन के दौरान हुए विचार-विमर्श का हवाला देते हुए उन्होंने आगे कहा कि प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन के तीन दिनों के दौरान लगभग 30 श्रृंखलाबद्ध सत्र करवाए गए, जो राज्य के आर्थिक विकास को और तेज करने में अधिक मददगार सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य को तेज विकास की लीक पर डालने के अलावा यह सम्मेलन युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने में भी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन राज्य से युवाओं के विदेशों की ओर पलायन को रोकने और तरक्की व खुशहाली के नए युग की शुरूआत के लिए बेहद जरूरी हैं।

उद्योग के नेताओं का उनकी भागीदारी के लिए धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि मैं राज्य की विकास कहानी का हिस्सा बनने के लिए कारोबारी दिग्गजों का धन्यवाद करता हूं। हमारी सरकार पंजाब को दुनिया के एक प्रमुख औद्योगिक और निर्यात केंद्र में बदलने के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए वचनबद्ध है। हम पंजाब के लिए संपूर्ण आर्थिक और वित्तीय सफलता चाहते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारे विकास के मुख्य स्तंभ अच्छा शासन, डिजिटलाइजेशन, निमार्णात्मक फैसले लेने की क्षमता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता हैं। हमारी अमीर विरासत, परंपरा और संस्कृति के साथ, ये क्षमताएं दुनिया भर के कारोबारियों के लिए राज्य को पसंदीदा निवेश स्थान के रूप में पेश करती हैं। पंजाब अपने निर्माण और बुनियादी ढांचे के माध्यम से वैश्विक मूल्य और सप्लाई चेन को मजबूत करने में देश के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में गर्व महसूस करता है। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा, हरभजन सिंह ईटीओ और बरिंदर गोयल, मुख्य सचिव केएपी सिन्हा आदि ने भी सभा को संबोधित किया।

भाजपा की सरकार में एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा : अमित शाह

भाजयुमो के आयोजन में केंद्रीय गृह मंत्री ने विकास, नौकरी और शांति की प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने के लिए भाजपा को वोट देने का किया आह्वान

एजेंसी (हि.स.)

गुवाहाटी

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), असम प्रदेश के सौजन्य से गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित 'युवा शक्ति समारोह' में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए राज्य में घुसपैठियों का संरक्षण करने का आरोप लगाया, साथ ही राज्य के सामूहिक विकास के लिए भाजपा को वोट देने का आह्वान किया। रविवार को राज्य के 1.5 लाख से अधिक युवाओं को गृह मंत्री ने संबोधित करते हुए उपरोक्त आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और दरंग-उदालगुड़ी निर्वाचन क्षेत्र से सांसद दिलीप सैकिया, केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल, केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा और प्रदेश भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ नेता, मंत्री, सांसद एवं

विधायक भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

भाजयुमो के इस कार्यक्रम के जरिए आज राज्य के प्रत्येक जिले के युवा मतदाताओं ने भाजपा की चुनावी रणभेरी बजाई। असम के विकास और उत्थान की यात्रा में युवा शक्ति के संकल्प को दृढ़ करने के लिए यह युवा शक्ति समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि असम की युवा शक्ति के इस महासमागम ने राज्य में भाजपा के जनसमर्थन की मजबूत तस्वीर पेश की है। उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने उन्हें फोन करके युवाओं के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की कोई भी राजनीतिक पार्टी इस तरह का विशाल युवा सम्मेलन आयोजित नहीं कर सकी है। उन्होंने असम के युवाओं के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। अमित शाह ने कहा कि हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में असम में विकास की प्रक्रिया जारी है। शाह ने दावा किया कि असम सरकार ने किसी भी प्रकार का भेदभाव किए बिना लगभग 1 लाख 65 हजार नौकरियां प्रदान की हैं, जो राज्य के इतिहास में एक उल्लेखनीय कदम है।

समारोह में बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस दल की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिनों में चाय बागान के श्रमिकों की मजदूरी 94 रुपये थी। भाजपा के दिनों में हिमंत बिस्व सरमा सरकार ने इसे 280 रुपये तक बढ़ा दिया। कांग्रेस अपने लोगों के बारे में सोचती है, भाजपा असम के बारे में सोचती है। गृह मंत्री के अनुसार कांग्रेस के शासनकाल में असम की भाषा और संस्कृति (जाति, माटी, भेटी) का सम्मान नहीं किया जाता था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐतिहासिक वीर लचित बरफूकन का गौरव विश्व के सामने उज्जवल रूप से प्रस्तुत किया गया है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार के समय लगभग 10,800 हथियारबंद लोगों ने आत्मसमर्पण किया है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में शांति और अनुशासन मजबूत हुआ है। उन्होंने दावा किया कि घुसपैठियों के कब्जे वाली बड़ी मात्रा में भूमि को मुक्त कराया गया है और आने वाले समय में यह अभियान जारी रहेगा। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने असम की जनता से एक बार फिर भाजपा सरकार बनाने का आह्वान किया और कहा कि यह सरकार विकास और पारदर्शिता के वादे पर अटल रहेगी।

वकालत केवल पेशा नहीं, जनसेवा का सशक्त माध्यम: नायब सैनी

डिजिटल युग में वकील नई तकनीकों को अपनाकर न्याय प्रक्रिया को करें मजबूत

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वकालत केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि न्याय, मानवता और जनसेवा का सशक्त दायित्व है। उन्होंने कहा कि वकील लोकतंत्र की न्यायिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो न केवल समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंद वर्गों को न्याय दिलाने में अहम भूमिका निभाते हैं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, नैतिक मूल्यों की स्थापना और राष्ट्र निर्माण में भी अग्रणी योगदान देते हैं।

मुख्यमंत्री रविवार को उनके निवास संत कबीर कुटीर पर चंडीगढ़ व पंजाब से लीगल सेल से जुड़े वकीलों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून का क्षेत्र केवल विधिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में न्याय, समानता और अधिकारों की रक्षा का माध्यम भी है। उन्होंने युवा वकीलों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपनी ऊर्जा, ज्ञान और उत्साह को समाजहित में समर्पित करें तथा अपने पेशे को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रखकर राष्ट्रसेवा का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी युवा वकीलों को प्रेरित करते हुए आह्वान किया है कि वे अपनी ऊर्जा, ज्ञान और उत्साह

को समाज की भलाई के लिए समर्पित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी वे वकीलों के बीच होते हैं, तो स्वयं को मानवता के रक्षकों के बीच पाते हैं। उन्होंने कहा कि यह बड़े ही गर्व की बात है कि भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस सूर्य कांत हरियाणा के रहने वाले हैं। उन्होंने हरियाणा की धरती से निकलकर न्याय के सर्वोच्च शिखर को स्पर्श किया है। इस काउंसिल ने उच्चतम न्यायालय के कई न्यायाधीश, देश के कानून व रेल मंत्री, पंजाब व हरियाणा के एडवोकेट जनरल, एडिशनल सालिसिटर जनरल, चण्डीगढ़ के सांसद व मेयर आदि प्रदान किए हैं।

उन्होंने कहा कि बार काउंसिल के अंतर्गत हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ के वकीलों की संख्या काफी अधिक है और यह संगठन नए आने वाले वकीलों को भी प्रोत्साहित करता है और कानून की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को भी सहायता प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून का शासन किसी भी लोकतांत्रिक देश की नींव है। हमारी न्यायपालिका समाज में शांति, समानता और न्याय सुनिश्चित करने का काम करती है। वकीलों और न्यायपालिका के बीच तालमेल, पारदर्शिता और नैतिकता का होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार वकीलों और न्यायपालिका के लिए अपने स्तर पर हर संभव योगदान दे रही है। वकीलों के लिए आधुनिक सुविधाएं, तकनीकी संसाधन और प्रशिक्षण कार्यक्रम सुनिश्चित कर रहे हैं, ताकि कार्य को और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सके।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री बी बी भारती, अधिवक्ता रंजन लोहान, प्रतिभा भंडारी, सुनील शर्मा, एन के वर्मा, विवेक सोनी, गोपाल शर्मा, मुकेश गर्ग सहित बड़ी संख्या में पंजाब और चंडीगढ़ के अधिवक्ता उपस्थित थे।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव कार्यक्रम घोषित, 9 से 29 अप्रैल तक मतदान, 4 मई को नतीजे

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने रविवार को देश के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी। इसके तहत पुडुचेरी, केरल और असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। वहीं, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक चरण में वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होगा, जिसमें 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को वोटिंग कराई जाएगी। सभी राज्यों के चुनाव परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज शाम 4 बजे दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस

में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि संबंधित पांच राज्यों में लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव के लिए 824 विधानसभा सीटों पर करीब 2.19 लाख मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इस पूरी चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए लगभग 25 लाख चुनाव कर्मी तैनात किए जाएंगे। आयोग के मुताबिक, पांचों राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल अलग-अलग तारीखों पर समाप्त हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को खत्म होगा, जबकि तमिलनाडु विधानसभा का कार्यकाल 10 मई तक है। असम विधानसभा का कार्यकाल 20 मई और केरल विधानसभा का कार्यकाल 23 मई को समाप्त होगा। वहीं, केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा का कार्यकाल 15 जून तक है। विधानसभा सीटों की बात करें तो कुल 824 सीटों में से असम में 126, केरल में 140, पुडुचेरी में 30, तमिलनाडु में 234 और पश्चिम बंगाल में 294 सीटें शामिल हैं। इन राज्यों में कई सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। असम में 9 एससी और 19 एसटी सीटें, केरल में 14 एससी और 2 एसटी सीटें, पुडुचेरी में 5 एससी सीटें, तमिलनाडु में 44 एससी और 2 एसटी सीटें तथा पश्चिम बंगाल में 68 एससी और 16 एसटी सीटें आरक्षित हैं। मतदाताओं की संख्या के अनुसार, असम में करीब 2.50 करोड़, केरल में लगभग 2.70 करोड़, पुडुचेरी में करीब 9.44 लाख, तमिलनाडु में लगभग 5.67 करोड़ और पश्चिम बंगाल में करीब 6.44 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने की बात कही है।

राहुल गांधी ने कांशीराम को भारत रत्न देने के लिए मोदी को पत्र लिखा

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहुजन समाज के नेता कांशीराम की जयंती पर उनको मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आधिकारिक पत्र लिखकर पत्र लिखकर कहा कि कांशीराम ने भारतीय राजनीति की प्रकृति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने आंदोलनों के माध्यम से बहुजनों और गरीबों के बीच राजनीतिक जागरूकता बढ़ाई।

राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समानता, गरिमा और भागीदारी का अधिकार देता है। कांशीराम ने समाज के सबसे निचले तबके तक इन अधिकारों को सार्थक बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। इससे भारतीय लोकतंत्र की नींव मजबूत हुई और राजनीतिक व्यवस्था अधिक प्रतिनिधिक तथा न्यायपूर्ण बनी। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से दलित बुद्धिजीवी, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग करते रहे हैं।

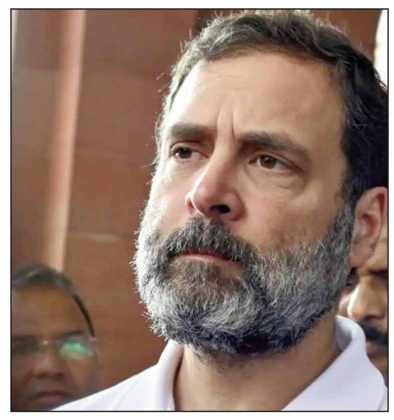

पत्र में राहुल गांधी ने कहा कि कांशीराम ने लोगों को यह याद दिलाया कि उनका वोट, उनकी आवाज और उनका प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है और यह देश सभी का समान रूप से है। उनके प्रयासों के कारण उन लोगों ने राजनीति को न्याय और समानता हासिल करने का माध्यम माना, जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में नहीं सोचा था। राहुल गांधी ने कहा कि कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न देने से राष्ट्र के प्रति उनके विशाल योगदान को मान्यता मिलेगी और उन लाखों लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान होगा, जो उन्हें सशक्तिकरण और आशा के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में हिंदुत्व के बड़े ब्रांड व यूपी के मुख्यमंत्री योगी निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

भारत निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरलम और पुदुचेरी राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी है। इन चुनाव में राज्यों के मतदाताओं को भाजपा की ओर आकर्षित करने में हिंदुत्व के बड़े ब्रांड बन चुके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी की बिहार विधानसभा चुनाव में दर्जनों सभाएं के सकारात्मक परिणाम सामने आ चुके हैं।

गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ भाजपा के लिए हमेशा महत्वपूर्ण चेहरा रहे हैं, लेकिन वर्तमान में सफल मुख्यमंत्री के रूप में उनकी सख्त और अनुशासित प्रशासक के रूप में छवि बनी है। उनके नेतृत्व में विदेश की धरती से उप्र में अरबों का निवेश, कई नए मेडिकल कॉलेज, मेट्रो और कई एयरपोर्ट व यूनिवर्सिटीज की स्थापना जैसे विकास कार्यों के अलावा लव जिहाद के खिलाफ कानून और दंगाइयों की संपत्ति कुर्क कर सरकारी क्षति की वसूली जैसे फैसले देशभर में उदाहरण के रूप में लिए जाते हैं। यही वजह है कि चुनावों में मुख्यमंत्री योगी की मांग स्टार प्रचारक के रूप में जरूर होती है।

हाल की अपनी जापान और सिंगापुर विदेश यात्रा से अरबों का निवेश लाकर उत्तर प्रदेश को उत्सव प्रदेश बनाने वाले योगी आदित्यनाथ की चुनावी रैलियों में भारी भीड़ उमड़ती है। रैली में मोदी–मोदी के बाद योगी–योगी के नारे खूब लगते हैं। हाल ही में हुए बिहार के चुनाव में उनकी रैलियों में अच्छा खासा जनसमर्थन दिखा था। इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी मुंबई से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभाओं ने मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित किया। योगी के बंटोगे तो कटोगे के नारे ने तो कांग्रेस और एनसीपी (शरद) की चुनावी गणित फेल कर दी और परिणामस्वरूप महाराष्ट्र में फिर से कमल खिला।

हिंदुत्व के बड़े ब्रांड बन चुके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभाओं ने दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश में भी सकारात्मक परिणाम दिखे थे। मतदाताओं के बीच मुख्यमंत्री योगी का स्पष्ट और बेबाक अंदाज सनातनी हिंदू को अंदर तक प्रभावित करता है। उनके बयानों में... मुगल आक्रांताओं ने देश को लूटा और बर्बाद किया..., उत्तर प्रदेश में अपराधियों को सीधे यमराज के पास पहुंचाया जा रहा है.... और कानून से खिलवाड़ किया तो बरेली वाले मौलाना से पूछ लेना.... आदि को जनता ने गंभीरता से लिया और समझा। अब पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम,

असम और पुदुचेरी राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा हो गयी है। इनमें पश्चिम बंगाल, केरलम और तमिलनाडु में भाजपा को पहले से बेहतर करने की चुनौती है। वहीं असम और पुदुचेरी में सम्मानजनक वापसी करना चाहती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में भी पश्चिम बंगाल में खास प्रभाव है। तमिलनाडु में भी भाजपा ऐसी बिसात बिछा रही है कि वहां बड़ी ताकत बन कर दक्षिण भारत को फतेह करने के अपने दशकों पुराने संकल्प को पूरा करे। इसी प्रकार केरल और पुदुचेरी में भाजपा एनडीए के साथ अपनी दमदारी दिखाना चाह रही है। ऐसे चुनावी परिदृश्य में भाजपा के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे बडे. स्टार प्रचारक और चुनाव को जीत के मुहाने पर ले जाने की क्षमता वाले माने जाते हैं। यही कारण है कि मतदाताओं के बीच उनकी भारी मांग रहती है।

इस संबंध में लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष और प्रोफेसर संजय गुप्ता कहते हैं कि मुख्यमंत्री योगी का व्यक्तित्व अंदर व बाहर समान है, वे सत्य बोलते हैं और किसी का अहित नहीं करते हैं। वे सख्त फैसले लेने से पीछे नहीं हटते हैं। प्रोफेसर गुप्ता कहते हैं कि हम उप्र में पिछले पौने नौ साल से देख रहे हैं कि वे बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए विकास के अनगिनत काम कर रहे हैं, उनकी कार्यशैली में, जो सही है सही और जो गलत है वो गलत है। यही कारण है कि देश के अन्य राज्यों के लोग योगीजी को सुनने के लिए लालायित रहते हैं। वे सिर्फ देश, समाज और धर्म के लिए लड़ रहे हैं, उनका एजेंडा देश हित और समाजहित है। वे सनातन संस्कृति के ध्वज वाहक हैं।

मुख्यमंत्री योगी के अलावा उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल का दौरा कर चुनावी प्रबंधन का जायजा लेकर लौटे हैं। ऐसे में इन दोनों राजनेताओं का भी पार्टी भरपूर उपयोग करने वाली है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के अलावा भी कई ऐसे नेता हैं, जो अपने भाषणों से चुनावी सभाओं में मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं। ऐसे नेता भी पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और पुदुचेरी आदि राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपनी क्षमता दिखाएंगे । उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता मनीष शुक्ला का कहना है कि निश्चिततौर पर मुख्यमंत्री योगी ने जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाया है, उससे पूरे देश में उनकी विशेष छवि है। वे जहां–जहां चुनावी सभाएं करते हैं, उसके सकारात्मक परिणाम दिखायी पड़ते हैं। बिहार हो या महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के परिणाम इसकी गवाही देते हैं। रहे हैं। मनीष ने दावा किया कि भाजपा असम के साथ ही पश्चिम बंगाल में बहुमत से सरकार बनाएगी जबकि तीन अन्य राज्यों भी बेहतर नतीजे आएंगे।

समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में अग्रसर हिमाचल : सुक्खू

सरकार ने लगभग 6000 अनाथ बच्चों को चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के रूप में अपनाया

❍ पैतृक संपत्ति में बेटियों को भी दिया बराबरी का अधिकार : सीएम

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री सूर्यकांत का हिमाचल प्रदेश आने पर स्वागत किया और उन्हें दोबारा प्रदेश में आने का न्यौता दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक न्याय और अपने अधिकारों की पहुंच सुनिश्चित करना राज्य सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि हम संविधान की भावना के अनुरूप समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में काम कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और पारदर्शी प्रशासन के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर नागरिक को समान अवसर प्राप्त हो और लोकतंत्र की जड़ें और अधिक मजबूत हों। सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने लगभग 6000 अनाथ बच्चों को चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के रूप में अपनाया है। इसके लिए देश का पहला कानून बनाया गया है। बेटियों की शादी की आयु को बढ़ाकर 21 वर्ष किया गया है, जिससे उन्हें लड़कों के समान अधिकार और अवसर मिल सकें। बेटियों को समान अधिकार देते हुए सरकार ने 150 बीघा तक की पैतृक संपत्ति में बेटियों को भी बराबर का अधिकार प्रदान किया है। पहले यह अधिकार केवल बेटों तक सीमित था। विधवा महिलाओं के बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना शुरू की गई है, जिसके तहत राज्य सरकार उनके बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठा रही है। राजस्व लोक अदालतों का आयोजन कर सरकार ने लगभग साढ़े पांच लाख लंबित मामलों का निपटारा किया है, जो कई वर्षों से लंबित पड़े थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्र के मूल आदर्शों, मूल्यों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संविधान के शिल्पकार डॉ. भीम राव अंबेडकर का योगदान सदैव याद रहेगा, जिन्होंने संविधान निर्माण का नेतृत्व करते हुए यह सुनिश्चित किया था कि भारत का लोकतंत्र समानता, न्याय और स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्य भी उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं। यदि हम अपने अधिकारों का लाभ उठाना चाहते हैं, तो हमें अपने कर्तव्यों का भी पूरी निष्ठा से पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को अपने संवैधानिक अधिकार के रूप में मिलने वाला राजस्व घाटा अनुदान बन्द कर दिया गया है, जो हमारे राज्य की वित्तीय स्थिति पर बहुत बड़ा संकट है। यह अनुदान हिमाचल को संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत दिया जा रहा था तथा वर्ष 1952 से शुरू हुई इस व्यवस्था के तहत पिछले 73 वर्षों से हिमाचल प्रदेश को यह ग्रांट निरंतर मिल रही थी।

हंगामेदार रहेगा हिमाचल विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण, 18 से होगी शुरूआत

❍ 21 मार्च को मुख्यमंत्री वित्त वर्ष 2026-27 का बजट करेंगे पेश

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण 18 मार्च से शुरू होने जा रहा है और इसके हंगामेदार रहने के पूरे आसार हैं। विधानसभा सचिवालय ने सत्र की तैयारियां तेज कर दी हैं।

इस बार विधायकों की ओर से बड़ी संख्या में सवाल लगाए गए हैं, जिससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि सदन में कई अहम मुद्दों पर तीखी बहस देखने को मिल सकती है।विधानसभा सचिवालय को अब तक करीब 800 प्रश्न मिल चुके हैं। इनमें अधिकतर सवाल सड़कों, पेयजल, बिजली, विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं की स्थिति से जुड़े हैं। विधायक अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं और विकास कार्यों की प्रगति को लेकर सरकार से जवाब मांगेंगे। कई विधायकों ने सड़क निर्माण, पेयजल योजनाओं की धीमी रफ्तार, बिजली व्यवस्था और अन्य स्थानीय मुद्दों को लेकर प्रश्न लगाए हैं।हालांकि इस बार बजट सत्र का दूसरा चरण केवल सवाल-जवाब तक सीमित नहीं रहने वाला। राजनीतिक तौर पर भी सदन का माहौल गर्म रहने की संभावना है। विपक्ष पहले से ही कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी कर चुका है। भाजपा की ओर से प्रदेश में बढ़ते ड्रग्स के मामलों, कानून-व्यवस्था की स्थिति, बढ़ते कर्ज. और राज्य की खराब माली हालत को प्रमुख मुद्दा बनाया जा सकता है।

इसके साथ ही कर्मचारियों और पेंशनरों की लंबित देनदारियों को लेकर भी सरकार से जवाब मांगे जाने की संभावना है। दूसरी ओर सत्तापक्ष भी विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए तैयार है। कांग्रेस सरकार की ओर से केंद्र सरकार पर हिमाचल की उपेक्षा का मुद्दा उठाया जा सकता है। खासकर राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद होने का मामला सरकार के लिए बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। सरकार का कहना है कि आरडीजी बंद होने से राज्य की वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ा है।

21 मार्च को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू वित्त वर्ष 2026-27 का बजट विधानसभा में पेश करेंगे। यह उनके कार्यकाल का चौथा बजट होगा। आरडीजी पूरी तरह बंद होने और राज्य की आर्थिक चुनौतियों के बीच पेश होने वाला यह बजट इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि सबकी नजर इस बात पर होगी कि सरकार सीमित संसाधनों के बावजूद आम लोगों के लिए क्या घोषणाएं करती है। राजनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टि से यह बजट अहम माना जा रहा है।

पूबोवाल में इस वर्ष विराजेगी मां वैष्णो, अखंड ज्योति होगी स्थापित

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

हरोली क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल माता मंदिर पूबोवाल में इस वर्ष चैत्र नवरात्र का पर्व बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। आगामी 19 मार्च से शुरू होने वाले इन पावन नवरात्रों को लेकर मंदिर कमेटी और स्थानीय भक्तों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

इस वर्ष के आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि मंदिर में मां वैष्णो देवी से लाई गई अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाएगी। हर वर्ष की भांति इस साल भी पूबोवाल मंदिर को भव्य रूप से सजाया जा रहा है। मंदिर के सेवादार संजीव कुमार ने बताया कि चैत्र नवरात्र के नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु शिरकत करेंगे। मंदिर में नवरात्र के नौ दिनों तक अखंड ज्योति जलाने की पुरानी परंपरा है। यह ज्योति पूरे क्षेत्र के लिए सुख-समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है। हर वर्ष किसी प्रसिद्ध शक्तिपीठ से मां की पवित्र ज्योति को लाकर मंदिर में नो दिनों तक अखंड रूप से स्थापित किया जाता है। पिछले वर्ष माता मनसा देवी से पावन ज्योति लाई गई थी, लेकिन इस बार मां वैष्णो देवी के दरबार से पवित्र ज्योति लाकर स्थापित की जाएगी। इसे लेने के लिए श्रद्धालुओं का एक विशेष जत्था जल्द ही रवाना होगा। नवरात्र के दौरान मंदिर में प्रतिदिन विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। जिसमें 19 मार्च को शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना होगी। प्रतिदिन शाम को स्थानीय और बाहरी भजन मंडलियों द्वारा माता का गुणगान किया जाएगा।

एलजी विनय कुमार सक्सेना ने लेह के मुख्य बाजार और क्षेत्रों का निरीक्षण किया

लेह। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आज लेह मुख्य बाजार और लेह पुराने शहर, चुटेरांतक और मध्य एशियाई संग्रहालय के विरासत क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने नागरिक बुनियादी ढांचे, स्वच्छता और विरासत संरक्षण की समीक्षा की। लद्दाख की सड़कों पर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, सक्सेना ने मुख्य बाजार और पुराने शहर के आसपास की सड़कों और गलियों का दौरा किया और सार्वजनिक स्थानों और अन्य सुविधाओं के रखरखाव के लिए निर्देश जारी किए। सक्सेना ने कई स्थानीय लोगों से भी बातचीत की जिन्होंने उपराज्यपाल को अपनी शिकायतें बताईं। उपराज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लेह शहर में स्वच्छता, बुनियादी ढांचे में सुधार और शहरी प्रबंधन संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए एक महीने के भीतर एक व्यापक योजना तैयार करें ताकि स्वच्छ, व्यवस्थित और पर्यटन के अनुकूल शहरी वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। लेह मुख्य बाजार के अपने दौरे के दौरान उपराज्यपाल ने बाजार क्षेत्र में एकरूप डिजाइन और साइनेज प्रणाली बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि इसकी सुंदरता को बढ़ाया जा सके।

आजादी के बाद पहली बार सड़क सुविधा से जुड़ा बैजनाथ का थाथी गांव

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

कांगड़ा जिला के विधानसभा क्षेत्र बैजनाथ के दूरदराज गांव थाथी आजादी के बाद पहली बार सड़क सुविधा से जुड़ गया। रविवार को स्थानीय विधायक किशोरी लाल ने इस गांव के लिए बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विधायक ने इस दौरान गांव के लिए निर्माणाधीन सड़क संपर्क मार्ग का निरीक्षण भी किया।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार थाथी गांव का सड़क संपर्क मार्ग से जुड़ना क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने गांववासियों को बधाई देते हुए कहा कि सड़क किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती है। सड़क सुविधा उपलब्ध होने से न केवल लोगों की आवाजाही आसान होती है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और अन्य विकासात्मक गतिविधियों को भी गति मिलती है। उन्होंने गांव वासियों को विश्वास दिलाया कि सड़क मार्ग को गांव तक विस्तारित किया जाएगा। विधायक किशोरी लाल ने कहा कि इस संपर्क मार्ग के बनने से जहां गांव परिवहन व्यवस्था से जुड़ गया है वहीं आपातकालीन परिस्थितियों में भी लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। अब किसी के बीमार होने या अन्य आपात स्थिति में एम्बुलेंस तथा अन्य वाहन सीधे गांव तक पहुंच सकेंगे जिससे मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना संभव होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दूरदराज के क्षेत्रों तथा गांवों में रहने वाले लोगों को हर मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। विधायक बैजनाथ किशोरी लाल ने रविवार को मढेढ़ बस ठहराव पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बैजनाथ से नव दुर्गा माता मंदिर मढेढ़ तक चलने वाली नई बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

संक्षिप्त-समाचार

गैस सिलेंडर खत्म होने से आईजीएमसी अस्पताल की कैंटीन में खाना बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में व्यावसायिक एलपीजी गैस की कमी अब आम लोगों के साथ-साथ अस्पतालों तक पहुंच गई है। शहर में कई ढाबों और रेस्टोरेंट के बाद अब अस्पतालों में चल रही निजी कैंटीनों पर भी इसका असर दिखने लगा है। हालात यह हैं कि शिमला के सबसे बड़े अस्पताल इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) की कैंटीन में पिछले दो दिनों से खाना बनना बंद हो गया है, जिससे मरीजों और उनके साथ आए तीमारदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कैंटीन संचालक का कहना है कि उनके पास गैस सिलेंडर पूरी तरह खत्म हो चुके हैं और फिलहाल नए सिलेंडर नहीं मिल पा रहे। ऐसे में मजबूरी में कैंटीन में केवल चाय-पानी ही उपलब्ध करवाया जा रहा है। भोजन की व्यवस्था ठप होने से अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ आए परिजनों को खाने के लिए अस्पताल के बाहर भटकना पड़ रहा है। अस्पताल के आसपास के कई ढाबों पर भी इस गैस संकट का असर साफ दिखाई दे रहा है। कई ढाबों में गैस सिलेंडर खत्म हो चुके हैं और कुछ बंद होने की कगार पर हैं। ढाबा संचालकों का कहना है कि अगर जल्द ही गैस की आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो उन्हें अपना काम बंद करना पड़ सकता है। लोगों का कहना है कि अस्पताल जैसी जगहों पर खाने की व्यवस्था बंद होना बड़ी समस्या है। ऐसे में सरकार को जल्द से जल्द कोई समाधान निकालना चाहिए। कई लोगों ने सुझाव दिया है कि अगर व्यावसायिक गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है तो अस्पताल की कैंटीनों के लिए अस्थायी तौर पर घरेलू गैस सिलेंडर या अन्य वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए, जिससे मरीजों और उनके साथ आए परिजनों को परेशानी न झेलनी पड़े।

गौशाला में घात लगाए बैठे तेंदुए ने किया हमला, बुजुर्ग को किया जख्मी

शिमला। शिमला जिले के चौपाल क्षेत्र में तेंदुए के हमले में एक बुजुर्ग व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले सिविल अस्पताल चौपाल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए उच्च केंद्र रेफर कर दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को सिविल अस्पताल चौपाल के मेडिकल ऑफिसर ने दूरभाष के माध्यम से थाना चौपाल को सूचना दी कि एक व्यक्ति को घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल लाया गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अस्पताल में जाकर मामले की जानकारी ली। अस्पताल में मोहन सिंह (68 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय भिंदर सिंह, निवासी गांव जरैत, डाकघर व तहसील चौपाल, जिला शिमला को घायल हालत में उपचाराधीन पाया गया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि उन्हें ये चोटें तेंदुए के हमले में लगी हैं। जानकारी अनुसार मोहन सिंह 14 मार्च को अपनी पत्नी सरिता के साथ अपने ससुराल टिक्करी गांव गए हुए थे। रात के समय उन्हें कुत्ते के जोर-जोर से भौंकने की आवाज सुनाई दी। इस पर मोहन सिंह और उनकी पत्नी घर से बाहर निकलकर कुत्ते को देखने गए, लेकिन उस समय उन्हें कुत्ता कहीं दिखाई नहीं दिया। अगली सुबह करीब सात बजे मोहन सिंह उठकर कुत्ते को देखने के लिए घर के पास स्थित गौशाला की तरफ गए। वहां उन्होंने देखा कि उनका कुत्ता मरा हुआ पड़ा है। जब वे कुत्ते को बाहर निकालने के लिए गौशाला के अंदर गए तो वहां पहले से घात लगाकर बैठे तेंदुए ने अचानक उन पर हमला कर दिया।

कठुआ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 25 गोवंश बचाए, तस्करी में इस्तेमाल ट्रक जब्त

कठुआ। जिले में गोवंश तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने हटली पुलिस पोस्ट अधिकार क्षेत्र पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 गोवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया है। इस दौरान तस्करी में इस्तेमाल किया जा रहा एक ट्रक भी जब्त किया गया जबकि चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार पंजाब की ओर से आ रहे ट्रक एचआर55एबी-0701 में गोवंश की तस्करी की सूचना मिलने पर हटली पुलिस पोस्ट प्रभारी ईशान के नेतृत्व में हटली पुलिस टीम ने विशेष नाका लगाकर वाहन को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। तलाशी के दौरान ट्रक के अंदर 25 गोवंश को क्रूर तरीके से बांधकर अवैध रूप से ले जाया जा रहे थे। पुलिस ने सभी गोवंश को सुरक्षित छुड़ाकर ट्रक को मौके पर जब्त कर लिया। इस मामले में थाना कठुआ में एफआईआर नंबर 135/2026 के तहत बीएनएस की धारा 223 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पूरी कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा के दिशा-निर्देश में की गई।

जम्मू-कश्मीर के उरी में पाकिस्तान का आतंकवादी मारा गया, घुसपैठ विफल

श्रीनगर। सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए पाकिस्तान के एक पाकिस्तानी आतंकवादी मार गिराया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, ₹घुसपैठ के प्रयास के संबंध में जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा प्रदान किए गए एक विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, 14-15 मार्च 26 की मध्यरात्रि को जनरल क्षेत्र बुचर, उरी सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। इसमें कहा गया है कि सैनिकों ने झाड़ियों में एक आतंकवादी की संदिग्ध गतिविधि देखी। सेना ने कहा कि घात को फिर से समायोजित किया गया और आतंकवादी को चुनौती दी गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने टिंबी को दी करोड़ों की सौगातें

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने रविवार को जिला सिरमौर के एक दिवसीय दौरे के दौरान शिलाई विधानसभा क्षेत्र के टिंबी में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस अवसर पर प्रदेश के उद्योग, संसदीय कार्य और श्रम रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्र में कई विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

उपमुख्यमंत्री ने उद्योग मंत्री की उपस्थिति में करीब 90 लाख रुपये की लागत से तैयार कालची-चियाली उठाऊ पेयजल योजना और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टिंबी में बने पुस्तकालय का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने लगभग 5 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से बनने वाली थौन्था-जाखल उठाऊ पेयजल योजना के विस्तार की आधारशिला भी रखी। इसके अलावा टिंबी में जल शक्ति विभाग के निरीक्षण कुटीर के निर्माण के लिए 1 करोड़ 11 लाख रुपये की परियोजना का शिलान्यास भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने शिलाई विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता ने हर्षवर्धन चौहान को छह बार विधायक चुनकर विधानसभा में भेजा है, जो यह दर्शाता है कि लोगों का उन पर गहरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि उनकी कार्यनिष्ठा और नेतृत्व के कारण क्षेत्र में विकास के कई काम हो रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के संतुलित विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के निर्माण और विकास में पूर्व मुख्यमंत्री यशवंत सिंह परमार और वीरभद्र सिंह के योगदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि जिला सिरमौर में जल आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए करोड़ों रुपये की योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस दौरान उन्होंने जल शक्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एशियन डेवलपमेंट बैंक की मदद से चल रही लगभग 18 करोड़ रुपये की जल आपूर्ति योजना को जल्द पूरा किया जाए।

नाहन में हिंदू सम्मेलन आयोजित, सामाजिक जागरूकता पर जोर

नाहन। श्री सनातन चेरिटेबल वेलफेयर सोसाइटी नाहन द्वारा रविवार को अपने स्थापना दिवस पर हिन्दू सम्मेलन व हिन्दू शौर्य सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गयाअ। इसकीसकी अध्यक्षता हिन्दू फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक सिंह हिन्दू ने की और ओजस्वनी राष्ट्रीय हिन्दू परिषद अध्यक्षा रजनी ठुकराल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। संस्था का प्रयास हैकि हिन्दुओं को धर्म की शिक्षा भी दी जाये ताकि वो लोग अपने संस्कारों ,अपनी सांस्कृतिक धरोहरों आदि से रूबरू हो सकें। संस्था सचिव राजीव शर्मा ने बतायाकि संस्था द्वारा सामाजिक कार्यो में भागेदारी भी की जाती है और इसके साथ ही हिन्दू समाज के बच्चों के लिए रोजगार संबंधी विस्तृत जानकारियां भी उपलब्ध कराई जाती हैं। आज इन कार्यो में उत्कृष्ट कार्यो वालों को सम्मानित भी किया जा रहा है। हिन्दू फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक सिंह हिन्दू ने कहाकि वर्तमान में राष्ट्र एवं हिन्दू समाज के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं और इनका एक जुट होकर सामना किया जा सकता है। ओजस्वनी राष्ट्रीय विश्व हिन्दू परिषद अध्यक्षा रजनी ठुकराल ने कहाकि मंदिरों में गुरुकुल स्थापना को लेकर कार्य किया जा रहा है और इसमें सरकारों से भी अनुरोध किया जायेगा कि जो मंदिर सरकार अधीन हैं वहां पर भी गुरुकुल परम्परा शुरु की जाये।

साइबर ठगों का नया जाल, एलपीजी की कमी के भेज रहे फर्जी लिंक

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में इन दिनों एलपीजी गैस की कमी को लेकर चल रही खबरों के बीच साइबर ठग भी सक्रिय हो गए हैं। शातिर लोग इसी माहौल का फायदा उठाकर लोगों को डराकर ठगी करने की कोशिश कर रहे हैं। साइबर अपराधी मोबाइल फोन पर ऐसे फर्जी मैसेज भेज रहे हैं जिनमें लिखा होता है कि एलपीजी का भुगतान बाकी है या केवाईसी अधूरी है, और यदि तुरंत कार्रवाई नहीं की गई तो गैस की सप्लाई बंद कर दी जाएगी। साइबर सेल शिमला के अनुसार कई लोगों को एसएमएस, व्हाट्सऐप और ई-मेल के जरिए ऐसे संदेश भेजे जा रहे हैं जिनमें एक लिंक भी दिया जाता है। संदेश में लोगों से कहा जाता है कि वे तुरंत उस लिंक पर क्लिक कर भुगतान करें या अपनी जानकारी अपडेट करें। एलपीजी की कमी से जुड़ी खबरों के कारण कई लोग घबराकर इन लिंक पर क्लिक कर देते हैं। साइबर पुलिस का कहना है कि जैसे ही कोई व्यक्ति इस फर्जी लिंक पर क्लिक करता है, उसका मोबाइल फोन हैक होने का खतरा बढ़ जाता है।इसके बाद साइबर ठग मोबाइल में मौजूद बैंकिंग से जुड़ी जानकारी तक पहुंच बना सकते हैं

केंद्रीय विश्वविद्यालय में डिजिटल स्टोरीटेलिंग पर कार्यशाला का आयोजन

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म, मास कम्युनिकेशन एंड न्यू मीडिया ने पब्लिक मीडिया टेक फाउंडेशन के सहयोग से 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय डिजिटल स्टोरीटेलिंग रहा। इस मौके पर सीयू के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने मुख्य अतिथि योगेन्द्र चौधरी सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी का स्वागत करते हुए पब्लिक मीडिया टेक फाउंडेशन के ट्रस्टी शलभ उपाध्याय की सराहना की, जो युवा डिजिटल क्रिएटर्स को आधुनिक तकनीकी उपकरणों से लैस कर उनकी प्रतिभा को निखारने का काम कर रहे हैं। प्रो. बंसल ने भारत की सकारात्मक छवि को डिजिटल माध्यमों से विश्व पटल पर उजागर करने में इस कार्यशाला की भूमिका की भी प्रशंसा की।

वहीं योगेन्द्र चौधरी ने कहा कि नई पीढ़ी की मीडिया और कंटेंट क्रिएशन में वह असाधारण शक्ति है जो जमीनी स्तर के व्यक्ति को फर्श से अर्श तक पंहुचा सकती है और समाज को एक नई दिशा दे सकती है।

यही डिजिटल युग की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकत है। कार्यशाला में सुधांशु सिंह भृगुवंशी, मनोज्ञा तिवारी और शशांक सिंह ने डिजिटल कंटेंट निर्माण की बारीकियों पर प्रभावशाली सत्र प्रस्तुत किए। प्रायोगिक प्रशिक्षण में एआई के उपयोग और डिजिटल कंटेंट क्रिएशन के व्यावहारिक पहलुओं को भी समाहित किया गया।

मौसम | कुल्लू और चंबा की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी

कई जिलों में आंधी-बिजली और ओलावृष्टि का अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में ओरेंज अलर्ट के बीच मौसम ने करवट ली है। राज्य के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई है, जबकि शिमला, मनाली और कई मैदानी क्षेत्रों में घने बादल छाए हुए हैं। लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चंबा की ऊंची चोटियों पर रुक-रुक कर बर्फ गिर रही है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और खासकर पहाड़ी इलाकों में मौसम फिर से सर्द हो गया है।

मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार के लिए प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी और बिजली कड़कने की चेतावनी जारी की है। विभाग के मुताबिक कुछ स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही आज कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। आज के लिए बिलासपुर, ऊना, चंबा, कांगड़ा, सिरमौर, सोलन और शिमला जिलों में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। मौसम विभाग का कहना है कि इन इलाकों में कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ बारिश, बिजली कड़कने और ओलावृष्टि की घटनाएं हो सकती हैं। कल 16 मार्च के लिये भी अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 17 मार्च को भी प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम खराब बना रहेगा, हालांकि उस दिन के लिए कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है। इसके बाद 18 और 19 मार्च को फिर से कई भागों में आंधी और बिजली कड़कने का अलर्ट दिया गया है। खास तौर पर 18 मार्च को कुछ स्थानों पर 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने की संभावना जताई गई है। 20 और 21 मार्च को भी प्रदेश में मौसम खराब रहने का अनुमान है, लेकिन इन दिनों के लिए फिलहाल कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के सक्रिय होने की वजह से आया है। इसके प्रभाव से पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बादल और बारिश की स्थिति बन रही है। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के औसत न्यूनतम तापमान में करीब 0.1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से लगभग 3.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर बना हुआ है। शिमला का न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री, सुंदरनगर 12.5 डिग्री, भुंतर 11.2 डिग्री, कल्पा 3.0 डिग्री, धर्मशाला 13.7 डिग्री, ऊना 12.4 डिग्री, नाहन 11.4 डिग्री, पालमपुर 13.0 डिग्री, सोलन 10.2 डिग्री, मनाली 9.9 डिग्री, कांगड़ा 14.0 डिग्री, मंडी 12.5 डिग्री और बिलासपुर 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

वर्ष 2025 में हरियाणा की 2,157 पंचायतें टीबी-मुक्त घोषित, 2023 में यह संख्या 574 थी: डॉ. सुमिता मिश्रा

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राज्य की 35 प्रतिशत पंचायतें टीबी-मुक्त

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि हरियाणा ने टीबी उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। वर्ष 2025 में राज्य की 2,157 ग्राम पंचायतों को टीबी-मुक्त घोषित किया गया है, जो राज्य की कुल 6,237 पंचायतों का लगभग 35 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मुक्त पंचायत पहल की शुरूआत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा विश्व टीबी दिवस (24 मार्च 2023) को वाराणसी से की गई थी। इस पहल का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं को क्षय रोग से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से समझने, उसके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने और पंचायतों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के साथ-साथ टीबी उन्मूलन में उनके योगदान को प्रोत्साहित करना है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में टीबी-मुक्त पंचायतों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो इस कार्यक्रम के जमीनी स्तर पर मजबूत क्रियान्वयन को दर्शाती है। वर्ष 2023 में राज्य की 574 पंचायतों को टीबी मुक्त होने का प्रमाण पत्र मिला था और सभी पंचायतें ब्रॉन्ज श्रेणी में थीं, जो कुल पंचायतों का लगभग 9 प्रतिशत था। वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 1,855 पंचायतों तक पहुंच गई, जिनमें 1,542 ब्रॉन्ज तथा 313 सिल्वर श्रेणी की पंचायतें शामिल रही, जो राज्य की लगभग 30 प्रतिशत पंचायतों का प्रतिनिधित्व करती हैं। वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 2,157 पंचायतों तक पहुंच गई है।

उन्होंने बताया कि इस पहल के अंतर्गत पंचायतों को तीन स्तरों पर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। किसी पंचायत को एक वर्ष तक टीबी-मुक्त स्थिति बनाए रखने पर ब्रॉन्ज, दो लगातार वर्षों तक बनाए रखने पर सिल्वर, तथा तीन वर्षों तक बनाए रखने पर गोल्ड प्रमाण पत्र दिया जाता है। प्रमाणपत्र प्रत्येक वर्ष विश्व टीबी दिवस के अवसर पर

उपायुक्त द्वारा जारी किए जाते हैं और इनकी वैधता एक वर्ष की होती है। दावों को प्रस्तुत करने और सत्यापित करने के लिए छह संकेतकों का उपयोग किया जाता है, जिन्हें जिला विकास और पंचायती राज अधिकारी, सिविल सर्जन और उप सिविल सर्जन द्वारा मान्य किया जाता है, जिसके बाद ही किसी पंचायत को टीबी-मुक्त घोषित किया जा सकता है। वर्ष 2025 में 2,157 पंचायतों में से 211 पंचायतों को गोल्ड, 646 पंचायतों को सिल्वर तथा 1,300 पंचायतों को ब्रॉन्ज श्रेणी में पाया गया है।

जिला-वार आंकड़ों के अनुसार अंबाला जिला में कुल 400 पंचायतों में से 191 पंचायतें टीबी-मुक्त प्रमाण पत्र के लिए योग्य पाई गई हैं, जिनमें 9 गोल्ड, 79 सिल्वर और 103 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भिवानी जिला में 312 पंचायतों में से 165 पंचायतें पात्र पाई गई हैं, जिनमें 34 गोल्ड, 59 सिल्वर और 72 ब्रॉन्ज शामिल हैं। चरखी दादरी जिला में 167 पंचायतों में से 27 पंचायतें पात्र हैं, जिनमें 10 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं। फरीदाबाद जिला में 100 पंचायतों में से 46 पंचायतें पात्र हैं, जिनमें 8 गोल्ड, 17 सिल्वर और 21 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

इसी प्रकार फतेहाबाद जिला में 259 पंचायतों में से 116 पंचायतें, गुरुग्राम जिला में 158 में से 96 पंचायतें, हिसार जिला में 325 में से 99 पंचायतें, तथा झज्जर जिला में 250 में से 67 पंचायतें टीबी-मुक्त प्रमाण पत्र के लिए योग्य पाई गई हैं। इसी प्रकार जींद जिला में 300 पंचायतों में से 65, कैथल जिला में 277 में से 106, करनाल जिला में 385 में से 113, तथा कुरुक्षेत्र जिला में 407 में से 145 पंचायतें पात्र पाई गई हैं। इसके अलावा महेंद्रगढ़ जिला में 343 में से 106 पंचायतें, नूंह (मेवात) जिला में 325 में से 98 पंचायतें, तथा पलवल जिला में 265 में से 110 पंचायतें टीबी-मुक्त प्रमाण पत्र के लिए पात्र मिली हैं।

इसी प्रकार पंचकूला जिला में 133 में से 105 पंचायतें, पानीपत जिला में 178 में से 56 पंचायतें, रेवाड़ी जिला में 365 में से 131 पंचायतें, तथा रोहतक जिला में 142 में से 25 पंचायतें पात्र पाई गई हैं।

क्षेत्रीय कौशल प्रतियोगिता में हरियाणा के युवाओं का शानदार प्रदर्शन, 33 पदक जीतकर बढ़ाया प्रदेश का मान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के प्रतिभाशाली युवाओं ने एक बार फिर अपनी दक्षता और कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए आगरा के बीएसएनएल ग्राउंड में गत दिवस आयोजित क्षेत्रीय कौशल प्रतियोगिता में 33 पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें 8 स्वर्ण, 13 रजत और 12 कांस्य पदक शामिल हैं। समापन समारोह के अवसर पर केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयंत चौधरी ने हरियाणा के प्रतिभागियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए सभी विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने प्रतिभागियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

युवाओं द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन करने पर हरियाणा के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता मंत्री श्री गौरव गौतम ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा के युवाओं ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार निरंतर ठोस कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देशभर में कौशल विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ने के लिए अनेक पहलें की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार भी युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में प्रदेश में कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना और विभिन्न तकनीकी संस्थानों में युवाओं के लिए आधुनिक व रोजगारपरक तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, ताकि वे बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कौशल को निखारकर बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। उन्होंने प्रतिभागियों को आगामी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस प्रतियोगिता में राज्य के युवाओं ने कुल 63 कौशलों में से 49 कौशलों में भागीदारी की और 33 कौशलों में पदक जीतकर अपनी तकनीकी दक्षता, समर्पण और मेहनत का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। इस उपलब्धि ने यह साबित किया है कि हरियाणा के युवा आधुनिक और उभरते कौशल क्षेत्रों में भी तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने अलग-अलग ट्रेडों और उभरते कौशल क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया। हरियाणा के प्रतिभागियों का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन राज्य के मजबूत कौशल विकास तंत्र और युवाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दशार्ता है।

एलपीजी व तेल का अंतरराष्ट्रीय स्तर का मामला, मिलजुल करे संकट का सामना: मनोहर लाल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल करनाल में आम जनता से मिले और उनकी समस्याओं का निराकरण किया

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री श्री मनोहर लाल ने अपने करनाल प्रवास के दौरान शनिवार सायं देर तक और रविवार को सुबह आम जनता से मेल मिलाप किया और उनकी समस्याओं का निराकरण किया। श्री मनोहर लाल ने अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया तथा शेष समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि विपक्षी पार्टी के लोगों को समझना चाहिए कि यह एलपीजी व तेल सम्बन्धी अंतरराष्ट्रीय स्तर का मामला है, फिर भी भारत सरकार ने देश के लोगों को कोई समस्या नहीं आने दी है। ऐसे समय में विपक्षी पार्टियों को इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। बल्कि मिलजुल कर संकट का सामना करना चाहिए। विपक्ष बिना मुद्दे के गैस की किल्लत बताकर केवल लोगों को बरगला रहा है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में गैस एजेंसियों के पास पर्याप्त मात्रा में एलपीजी का स्टॉक है और विदेशों से भी तेल व एलपीजी भरपूर मात्रा में आ रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत एक शांतिप्रिय देश है और सभी के साथ आपसी प्रेम-प्यार से रहता है। ये ही हमारी देश की संस्कृति भी है। उन्होंने कहा कि आज देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथों में है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षक संघ को मिला नवीनीकृत पंजीकरण प्रमाणपत्र

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (ङवळअ) को हरियाणा सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा हरियाणा रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन ऑफ सोसाइटीज एक्ट, 2012 के अंतर्गत नवीनीकृत पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किया गया है। जिला रजिस्ट्रार, कुरुक्षेत्र द्वारा जारी इस प्रमाणपत्र के अनुसार शिक्षक संघ को नया पंजीकरण नंबर ऌफ004202601015 प्रदान किया गया है।शिक्षक संघ लंबे समय से नए अधिनियम के अंतर्गत पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए प्रयासरत था। विशेष रूप से पिछले दस वर्षों से संघ द्वारा इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे थे, जिन्हें वर्तमान पदाधिकारियों के सक्रिय प्रयासों से सफलता मिली।

इस उपलब्धि की जानकारी शिक्षक संघ की आयोजित जनरल बॉडी बैठक में सभी सदस्यों के समक्ष साझा की गई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वर्तमान पदाधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें बधाई दी। इसके उपरांत शिक्षक संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नवीनीकृत पंजीकरण प्रमाणपत्र की प्रति भेंट की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सचदेवा ने शिक्षक संघ को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और बौद्धिक प्रगति में शिक्षक समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि एक सशक्त और संगठित शिक्षक संघ विश्वविद्यालय में सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा शिक्षकों की समस्याओं और सुझावों को संस्थागत रूप से प्रशासन तक पहुँचाने में सहायक होता है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि शिक्षक संघ भविष्य में भी विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास, शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के वातावरण को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय योगदान देता रहेगा। इस अवसर पर शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र खटकड़ ने कहा कि यह नवीनीकृत पंजीकरण प्रमाणपत्र संघ के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे संगठन की वैधानिक पहचान और अधिक मजबूत हुई है।

संघ के सचिव डॉ. सुरेन्द्र जगलान ने बताया कि हरियाणा रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन ऑफ सोसाइटीज एक्ट, 2012 के अंतर्गत प्राप्त यह नवीनीकृत प्रमाणपत्र संगठन की गतिविधियों को और अधिक पारदर्शी, लोकतांत्रिक और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि संघ अधिनियम के सभी प्रावधानों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षणिक विकास, शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा विश्वविद्यालय के समग्र विकास में सकारात्मक भूमिका निभाता रहेगा। अंत में शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने हरियाणा सरकार, जिला रजिस्ट्रार कार्यालय तथा विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक संघ भविष्य में भी पूरी प्रतिबद्धता और सक्रियता के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों के हितों तथा शैक्षणिक गतिविधियों के विकास के लिए कार्य करता रहेगा।

संक्षिप्त-समाचार

आईडीएफसी बैंक घोटाले में दो लेखा अधिकारी काबू

चंडीगढ़। हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो ने 590 करोड़ के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले में दो लेखा अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। शनिवार को दिन के समय एसीबी की तरफ से सावन ज्वेलर्स के मालिक राजन कटोदिया को गिरफ्तार किया गया था। एसीबी ने आज सभी तीन आरोपितों को कोर्ट में पेश करके चार दिन का रिमांड लिया है। एसीबी ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के कार्यालय में तैनात राजेश सांगवान (नियंत्रक वित्त एवं लेखा) तथा हरियाणा विद्यालय शिक्षा परियोजना परिषद में तैनात रणधीर सिंह (नियंत्रक वित्त एवं लेखा) को गिरफ्तार किया है। उक्त दोनों आरोपित बैंक घोटाले में लिप्त पाए गए हैं। उन्होंने जानबूझकर हरियाणा सरकार के वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का उल्लंघन किया और सह-आरोपितों के साथ मिलकर सरकारी धन की हेराफेरी करने की आपराधिक साजिश रची। दोनों ने ही अपराध में सक्रिय रूप से भाग लिया और अवैध रिश्वत के रूप में बड़ी रकम स्वीकार की है। सरकारी कर्मियों के द्वारा फ्रॉड में शामिल होने व रिश्वत की रकम स्वीकार किए जाने के फैक्ट सामने आने पर एसीबी ने केस में 7 पीसी एक्ट की धारा भी जोड़ी है।

गुरुग्राम: फिटनेस व मेलजोल के लिए रनाथॉन 2026 में दौड़े साइबर सिटी वासी

गुरुग्राम। सेक्टर-63 में लोगों के लिए रविवार की सुबह रनाथॉन 2026 के नाम रही। अनंत राज लिमिटेड की ओर से इस रनाथॉन के दूसरे संस्करण का भव्यता से आयोजन किया गया, इसमें पंजीकरण के हिसाब से 1480 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का मकसद सेहत, फिटनेस और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देना था। इसमें हर उम्र और पृष्ठभूमि के धावकों ने अनंत राज एस्टेट के खूबसूरत नजारों के बीच दौड़ लगाई। दिल्ली-एनसीआर के रियल एस्टेट डेवलपर अनंत राज द्वारा आयोजित और पीएफएस (पर्फेक्ट फिटनेस सोल्युशंस प्राइवेट लिमिटेड) द्वारा क्यूरेट किए गए इस रनाथॉन में दौड़ की कई श्रेणियां शामिल थीं, जिनमें 10-मील और 5-मील की टाइम वाली दौड़, 5-मील की वॉकथॉन और 1-मील की बच्चों की दौड़ भी शामिल थी। यह दौड़ सुबह 5:40 बजे से शुरू हुई। अनुभवी धावकों से लेकर छोटे बच्चों और परिवारों तक इस कार्यक्रम में गुरुग्राम में बढ़ रही कम्युनिटी फिटनेस की संस्कृति की झलक देखने को मिली। इसने आउटडोर खेल आयोजनों में बढ़ती दिलचस्पी को भी उजागर किया, जो आस-पड़ोस के लोगों को एक साथ लाता है। इस मौके पर अनंत राज लिमिटेड के चीफ सेल्स ऑफिसर वरुण खुल्लर ने कहा कि रनाथॉन 2026 ने हमारे प्रोजेक्ट्स के आस-पास जीवंत और स्वस्थ समुदाय बनाने के प्रति अनंत राज की प्रतिबद्धता को दशार्या। यह सिर्फ एक खेल आयोजन से कहीं बढकर है, यह निवासियों, परिवारों और फिटनेस के शौकीनों को एक साथ आने और सेहत का जश्न मनाने का एक मंच प्रदान करता है।

विधानसभा में सोमवार से शुरू होगी बजट सत्र की कार्यवाही

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही सोमवार को फिर से शुरू होगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बतौर वित्त मंत्री दो मार्च को सदन में बजट पेश किया था। स्पीकर हरविंद्र कल्याण की तरफ से विधानसभा में विभाग के अनुसार आठ स्टैंडिंग कमेटियों का गठन किया था। नौ मार्च को सदन की कार्यवाही के अंतिम दिन इन कमेटियों को बजट पर मंथन करने, सुझाव देने तथा संशोधन की सिफारिशों के अधिकार दिए गए थे। पिछले पांच दिन से सभी कमेटियों द्वारा बजट पर अपने अपने विभाग की मदों के अनुसार मंथन किया गया है। कमेटियों की तरफ से सोमवार को सदन में अपनी रिपोर्ट रखी जाएगी। विधानसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे शुरू होगी। प्रश्नकाल के दौरान माननीयों की ओर से नायब सरकार पर तीखे सवाल भी दागे जाएंगे, जिससे माहौल गरमाने के आसार हैं। प्रश्नकाल के दौरान विधायकों द्वारा सरकार को खेल सुविधा और स्टेडियमों की खस्ताहाल पर घेरा जाएगा। इसके साथ ही, शहरों में बढ़ती जाम की समस्या को देखते हुए बाईपास और टूटी सडकों के मुद्दे पर माहौल गरमाने के आसार हैं।

एलपीजी संकट और महंगी ऊर्जा से आम जनता और छोटे व्यापारियों पर बढ़ेगा बोझ: सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने देश के विभिन्न हिस्सों में एलपीजी गैस की आपूर्ति को लेकर उत्पन्न स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोडकर अधिकांश कमर्शियल संस्थानों के लिए एलपीजी गैस की सप्लाई प्रभावित होने से छोटे व्यापारियों, होटल-रेस्तरां संचालकों और लाखों लोगों की रोजी-रोटी पर असर पड़ रहा है।मीडिया को जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जिससे आम लोगों और व्यापारियों में चिंता का माहौल बन गया है। यदि समय रहते इस स्थिति को संभाला नहीं गया तो आने वाले समय में यह समस्या और गंभीर हो सकती है। कुमारी

सैलजा ने कहा कि देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहले भी ऊर्जा और आर्थिक नीतियों से जुड़ी चुनौतियों को लेकर आगाह कर चुके हैं। ऐसे में सरकार का दायित्व है कि वह ऊर्जा आपूर्ति, व्यापारिक समझौतों और विदेश नीति से जुड़े निर्णयों पर स्पष्ट जानकारी देश के सामने रखे। उन्होंने कहा कि विदेश नीति के कुछ निर्णयों के कारण भारत को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कई ऐसे देश, जिनसे भारत को पहले सस्ती दरों पर पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध होते थे, उनसे व्यापारिक परिस्थितियां प्रभावित हुई हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत को अपेक्षाकृत महंगे पेट्रोलियम पदार्थ और कच्चा तेल खरीदने की स्थिति बन रही है, जिसका सीधा असर एलपीजी और अन्य ऊर्जा संसाधनों की कीमतों पर पड़ सकता है। इसका बोझ अंततः आम नागरिकों और छोटे व्यापारियों पर ही पड़ेगा। देश के नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि ऊर्जा नीति और विदेश नीति से जुड़े ऐसे कौन-कौन से निर्णय लिए जा रहे हैं, जिनका असर सीधे जनता के जीवन और आजीविका पर पड़ रहा है। सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि एलपीजी की उपलब्धता और आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने केंद्र से आग्रह किया कि गैस आपूर्ति व्यवस्था को तुरंत प्रभाव से व्यवस्थित किया जाए ताकि छोटे व्यापारियों, होटल-रेस्तरां संचालकों और आम नागरिकों को राहत मिल सके और लोगों में फैली चिंता दूर हो।

वसंत उत्सव' में हरियाणा राज्य चुनाव आयोग का शिविर आकर्षण का केंद्र बना

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- आयोग द्वारा तीन दिवसीय उत्सव में मतदान के प्रति नागरिकों को संवेदनशील किया गया

हरियाणा राज्य चुनाव आयोग द्वारा पंचकूला स्थित यवनिका पार्क में तीन दिवसीय 'वसंत उत्सव' के दौरान मतदाताओं को जागरूक करने के मकसद से एक पवेलियन (शिविर) तैयार किया गया। इस शिविर का उद्देश्य आम जन को आयोग के कामकाज के बारे में जागरूक करना था।

शुक्रवार को आरंभ हुए इस उत्सव के दौरान तीन दिनों तक शिविर पर नागरिकों को मतदान के अधिकार के बारे में जागरूक और संवेदनशील किया गया और उन्हें हर चुनाव में मतदान करने की शपथ दिलाई गई। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा राज्य चुनाव आयोग को पूरा भरोसा है कि यह पहल स्थानीय निकायों के चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

अपने तरह की इस अनोखी पहल के जरिए आयोग को विभिन्न आयु वर्ग के नागरिकों की ओर से बहुत ही उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। वसंत उत्सव का उद्घाटन शुक्रवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा किया गया था। मुख्यमंत्री ने इस दौरान हरियाणा राज्य चुनाव आयोग के इस अनोखे शिविर का अवलोकन किया और आयोग की इस पहल की सराहना भी की।

इस अवसर पर आयोग की ओर से शिविर को अधिक ज्ञानवर्धक और आकर्षक बनाने हेतु, स्थानीय निकायों के चुनावों से संबंधित एक प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन किया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

नागरिकों को एश्ट के कामकाज के बारे में जागरूक करने के लिए प्रदर्शन हेतु एक डमी एश्ट भी शिविर में स्थापित की गई। शुक्रवार को, हरियाणा के माननीय राज्य चुनाव आयुक्त श्री देविंदर सिंह कल्याण ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और आम जन से संवाद किया।

प्रवक्ता ने बताया कि 'वसंत उत्सव' के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने आयोग के शिविर का अवलोकन किया और हरियाणा राज्य चुनाव आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के चुनावों के संचालन के संबंध में उपयोगी जानकारी प्राप्त की। इस शिविर के जरिए आयोग जमीनी स्तर पर नागरिकों के साथ जुड़ सकने में कामयाब रहा।

शेरांवाली माइनर टूटने से 50 एकड़ फसल को नुकसान

एजेंसी (हि.स.)
सिरसा

सिरसा जिले के गांव दड़बा के पास रविवार को शेरांवाली माइनर टूट गई, जिससे आसपास के करीब 50 एकड़ गेहूं की फसल में पानी भर गया है। नहर टूटने की सूचना सिंचाई विभाग को दी गई, जिस पर टीम मौके पर पहुंची और नहराणा हेड से नहर को बंद करवाया गया। किसानों के अनुसार नहर में करीब 60 फुट चौड़ी दरार आ गई। नहर टूटने की सूचना मिलने पर कर्मचारी मौके पर पहुंचे और किसानों के साथ नहर को पाटने का काम शुरू किया। प्रभावित किसानों का कहना है कि गेहूं की फसल पकने के कगार पर है और अब नहर टूटने से उनकी पूरे साल की मेहनत पर पानी फिर गया है। यह नुकसान पूरा नहीं किया जा सकता। गेहूं की फसल पर खर्च भी काफी हो चुका है। किसानों ने सरकार से मुआवजा देने की मांग की है। गौरतलब है कि शेरांवाली नहर से गांव कैरांवाली, दड़बा कलां, मानक दिवान, रूपाना खुर्द, रंधावा, अरनियांवाली, माधोसिंघाना, बकरियांवाली, मल्लेकां, शेरांवाली, उमेदपुरा समेत अन्य गांवों में फसलों की सिंचाई होती है। नहर टूटने से उपरोक्त गांवों की सिंचाई व्यवस्था भी प्रभावित हुई है।

आयोजन

पीएमडीए के सीईओ श्री के. मकरंद पांडुरंग के प्रयासों से कैक्टस गार्डन को मिला नया लुक

पीएमडीए द्वारा पहली बार अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेले की तर्ज पर किया गया वसंत उत्सव-2026 का भव्य आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- तीन दिवसीय आयोजन में लाखों लोगों की उमड़ी भीड़, कला, संस्कृति और प्रकृति प्रेमियों ने लिया भरपूर आनंद
- विभिन्न प्रतियोगिताओं, हस्तशिल्प और व्यंजन स्टॉलों ने बढ़ाई मेले की रौनक

शिवालिक पर्वत श्रृंखला की तलहटी में बसा पंचकूला शहर कई मायनों में विशेष महत्व रखता है। पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण (पीएमडीए) द्वारा पहली बार आयोजित तीन दिवसीय वसंत उत्सव ने शहर को एक नई पहचान दी है।

पीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के. मकरंद पांडुरंग के विजन के अनुरूप 37 वर्षों बाद पहली बार इस तीन दिवसीय वसंत उत्सव का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेले की तर्ज पर किया गया। इस उत्सव में स्कूली बच्चों, रंगमंच कलाकारों, प्रकृति प्रेमियों और गार्डनिंग में रुचि रखने वाले ट्राईसिटी के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी, जो देखने लायक थी।

उत्सव के पहले दिन 13 मार्च को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर लगभग एक वर्ष से रखरखाव के लिए बंद पड़े कैक्टस गार्डन को पीएमडीए के प्रयासों से आम जनता के लिए पुनः खोल दिया गया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उल्लेख किया कि पीएमडीए पंचकूला शहर को और अधिक सुंदर एवं आकर्षक बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पीएमडीए के गठन और श्री के. मकरंद पांडुरंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का कार्यभार संभालने के बाद से शहर की सड़कों और पार्कों के जीर्णोद्धार का कार्य लगातार जारी है।

आनंद, नवजीवन और उमंग की प्रतीक वसंत ऋतु के अवसर पर आयोजित यह तीन दिवसीय उत्सव कई मायनों से महत्वपूर्ण रहा। अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेले की तर्ज पर पहली बार यहां आगंतुकों के लिए व्यंजन, हस्तशिल्प और स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों पर लोगों ने न केवल विभिन्न उत्पादों का अवलोकन किया, बल्कि जमकर खरीदारी भी की।

गोहाना के मातूराम हलवाई की प्रसिद्ध जलेबी से लेकर दक्षिण भारतीय व्यंजनों तक का लोगों ने भरपूर आनंद लिया।

पीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के मकरंद पांडुरंग का विजन है कि पंचकूला के 8 एकड़ में फैले कैक्टस गार्डन को विश्व के सर्वश्रेष्ठ कैक्टस गार्डनों में शामिल किया जाए। इसी उद्देश्य से पिछले एक वर्ष के दौरान गार्डन का व्यापक जीर्णोद्धार किया गया, जिसके तहत कैक्टस की लगभग 300 नई प्रजातियां शामिल की गई हैं। कैक्टस गार्डन के क्यूरेटर मेजर जनरल सी.एस. बेवली (सेवानिवृत्त) ने बताया कि श्री मकरंद पांडुरंग ने पहले दिन से ही कैक्टस गार्डन को नया स्वरूप देने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। पुणे (महाराष्ट्र) से 50 से अधिक बड़े कैक्टस पौधे भी यहां मंगवाए गए हैं। गार्डन के पुनः खुलने के बाद बड़ी संख्या में दर्शक इसके नए स्वरूप को देखने के लिए पहुंच रहे हैं।

वसंत उत्सव के आयोजन से पंचकूला के सबसे बड़े पार्कों में एक सेक्टर-5 का टाउन पार्क भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा, जहां प्रतिदिन हजारों लोग सुबह-शाम सैर के लिए आते हैं।

नियमित रूप से सैर करने आने वाले लोगों ने भी इस उत्सव की सराहना की। आने वाले वर्षों में पंचकूला का यह वसंत उत्सव और अधिक भव्य रूप लेने की संभावना है। इस उत्सव के दौरान ह्यबेस्ट गार्डन इन सिटी पंचकूलाह्ल, ह्यबेस्ट स्कूल गार्डनह्ल, संस्थागत तथा निजी श्रेणियों में लगभग 2250 कट फ्लॉवर और गमलों की प्रविष्टियां प्राप्त हुईं।

उत्सव में प्रसिद्ध लोकगायक गजेंद्र फोगाट, अमित सैनी रोहतकिया और नवीन पूनिया के अलावा पंजाबी गायक तरसेम सिंह जस्सर तथा सूफी गायक कंवर ग्रेवाल ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेले के सफल आयोजन में जिला प्रशासन और नगर निगम पंचकूला का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वसंत उत्सव ने कलाकारों के साथ-साथ युवाओं और बच्चों को भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतरीन मंच प्रदान किया। इस दौरान रंगोली प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, फेस पेंटिंग, टेक्सटाइल कार्टोग्राफी, टैटू पेंटिंग, पर्यावरण क्विज, मेहंदी प्रतियोगिता, माइम एक्टिंग, हास्य कवि सम्मेलन, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, डुएट डांस प्रतियोगिता, बेबी शो, फैशन शो, पॉट पेंटिंग, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, सेल्फी प्रतियोगिता, सोलो सिंगिंग और फोक डांस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।

संपादकीय

महंगाई का चक्रव्यूह और अस्थिर वैश्विक परिदृश्य

लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सरकार की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना यह होता है कि वह अपने नागरिकों को न्यूनतम जीवन स्तर और आर्थिक सुरक्षा कितनी सुलभ करा पाती है।वर्तमान परिदृश्य में, भारत की एक बड़ी आबादी एक ऐसे दोराहे पर खड़ी है जहाँ एक ओर रोजगार के अवसर और वेतन वृद्धि की दर स्थिर हो गई है, तो दूसरी ओर दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतें रॉकेट की गति से बढ़ रही हैं। जब किसी मध्यमवर्गीय परिवार की आय का जरिया सीमित हो, तो उसकी पूरी आर्थिक योजना बाजार की कीमतों के भरोसे टिकी होती है। पिछले कुछ वर्षों का विश्लेषण करें तो साफ झलकता है कि खाद्य वस्तुओं, शिक्षा और स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च औसत भारतीय की 'डिस्पोजेबल इनकम' (बचत योग्य आय) को निगल रहा है।यह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं है, बल्कि करोड़ों परिवारों के मानसिक और सामाजिक दबाव का कारण है।आर्थिक कैलेंडर के अनुसार, दिसंबर से फरवरी तक की तिमाही को 'सस्ती तिमाही' माना जाता है।इस दौरान रबी की फसलों और हरी सब्जियों की बंपर आवक के कारण थोक और खुदरा बाजारों में नरमी की उम्मीद की जाती है।हालांकि, इस वर्ष के आंकड़े चिंताजनक हैं।फरवरी में खुदरा महंगाई दर का 3.21 प्रतिशत पर पहुंचना यह संकेत देता है कि आपूर्ति श्रृंखला में कहीं गहरा अवरोध है।जनवरी के 2.74 प्रतिशत के मुकाबले यह उछाल महज 0.47 प्रतिशत का लग सकता है, लेकिन जब इसे 'कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स'के नजरिए से देखा जाए, तो यह पिछले दस महीनों का उच्चतम स्तर है। यह वृद्धि तब हुई है जब बाजार में आपूर्ति की कोई बड़ी कमी नहीं थी, जो यह दशार्ता है कि लागत-प्रेरित मुद्रास्फीति अब भारतीय अर्थव्यवस्था की जड़ें पकड़ रही है। महंगाई की इस आग में घी डालने का काम पश्चिम एशिया के ताजा संघर्ष ने किया है।इजराइल, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक जलमार्ग 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को युद्ध के अखाड़े में बदल दिया है। दुनिया का लगभग 20% कच्चा तेल इसी रास्ते से गुजरता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए भारी मात्रा में आयात पर निर्भर है।ईरान द्वारा इस मार्ग को बाधित करने से न केवल तेल की आपूर्ति रुकी है, बल्कि बीमा और माल ढुलाई की लागत में भी भारी इजाफा हुआ है।वर्तमान में एलपीजी और प्राकृतिक गैस की कमी की जो अफवाहें और अफरा-तफरी बाजार में दिख रही है, वह इसी वैश्विक अस्थिरता का परिणाम है। यदि पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका 'मल्टीप्लायर इफेक्ट' हर छोटी-बड़ी चीज पर पड़ेगा—चाहे वह खेत से आने वाली गोभी हो या फैक्ट्री से आने वाला साबुन। भारतीय रिजर्व बैंक के सामने अब एक बड़ी चुनौती है। यदि महंगाई 4 प्रतिशत के लक्ष्य को पार करती है, तो केंद्रीय बैंक को ब्याज दरें ऊंची रखनी पड़ेंगी। इससे व्यापारिक विस्तार के लिए कर्ज महंगा होगा और अंततः आर्थिक विकास की गति धीमी हो जाएगी। सरकार को चाहिए कि वह केवल विदेशी संकटों का हवाला न देकर घरेलू स्तर पर आपूर्ति प्रबंधन को मजबूत करे। बफर स्टॉक की रिलीज और कालाबाजारी पर लगाम लगाना इस वक्त की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

डिजिटल अलगाव नहीं अब परिवेश से जुड़ाव की ओर जूमर्स

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (हि.स)

जूमर्स का इतनी जल्दी आभासी दुनिया से मोहभंग होगा, यह समझ से परे है पर टचिंग ग्रास की हालिया रिपोर्ट से यही सामने आ रहा है।दरअसल, साल 1997 से 2012 तक की अवधि में आई पीढ़ी को जेन जेड या जूमर्स पीढ़ी के रुप में जाना जाता है। यह पीढ़ी इंटरनेट और स्मार्टफोन के साथ पली-बढ़ी पीढ़ी है।डिजिटल सेवी होने से आभासी दुनिया में इस पीढ़ी का अलग ही अनुभव रहा है।पर बहुत कम समय में आभासी दुनिया से इस पीढ़ी का तेजी से मोहभंग हो रहा है। सोशियो-साइको भाषा में कहा जाए तो जूमर्स एनालॉग पुनर्जागरण के दौर में आ गए हैं।

आभासी दुनिया के साथ इस पीढ़ी में जो तेजी से बदलाव देखा जा रहा है वह अब अलगाव की जगह सहभागिता की ओर बढ़ रहा है। एंड्रायड फोन की दुनिया से बाहर निकल कर अब सामाजिक मेल-मिलाप और अकेलेपन के स्थान पर सामाजिकता की ओर रुझान दिखाई देने लगा है। कहीं यह भी संकेत मिलने लगा है कि जूमर्स संस्कृति और आधुनिकता के बीच तारतम्य बिठाने की दिशा में बढ़ने लगे हैं। इस पीढ़ी द्वारा अब आभासी अनुभवों के स्थान पर धरातलीय अनुभवों को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। यही कारण है कि जूमर्स में अब पुरातन को नकार और तथाकथित आधुनिकता को स्वीकार के स्थान पर दोनों में सामंजस्य खोजने की नई सोच विकसित होने लगी है। अब डिजीटल अलगाव के स्थान पर जूमर्स मानवीय संवेदना, जमीनी हालातों के साथ बेबाक होने लगे हैं।यह नई तरह की सामाजिक सामंजस्यता है जिसे सकारात्मक बदलाव के रुप में देखा जाना चाहिए।

जोमैटो के डिस्ट्रिक्ट प्लेटफार्म पर टचिंग ग्रास की हालिया रिपोर्ट में जेन जेड की जीवन शैली और सोच में बदलाव के यह संकेत उभर कर आये हैं। रिपोर्ट के अनुसार जूमर्स की प्राथमिकताओं में तेजी से बदलाव आया है। अब सप्ताहांत ही नहीं बीच में भी घर से बाहर डिनर लेने, आपसी मेल-मिलाप, दो लोगों के साथ समय बिताने, अपने परिवेश से जुड़ने, डिजिटल दुनिया से बाहर आने की सोच बनती जा रही है। यह डिजिटल दुनिया के दौर में सामाजिकता के लिए सकारात्मक बदलाव माना जा सकता है।यह सब तब है जब सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अधिक समय देने के बावजूद जिस तरह की रील्स देखने को मिल रही है वह बदलाव का स्पष्ट संकेत है। पिछले दिनों बैंक बड़ौदा में खाता खुलवाया लोकप्रिय हुआ या युवाओं द्वारा समूह में सुंदरकांड-हनुमान चालीसा पाठ या भजन गायकी जेन जेड की बदलती मानसिकता की परिचायक है।

पिछले दिनों युवाओं में भजन क्लबिंग का दौर देखा जा रहा है। यह बदलाव इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि इंटरनेट-सोशल मीडिया की दुनिया में जूमर्स अब सामाजिकता खोजने लगे हैं। यह सही है कि इंटरनेट की आभासी दुनिया के स्थान पर अपनी सामाजिक गतिविधियों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पदर्शित करने लगे हैं। यह भले रील्स के माध्यम से ही क्यों ना हो। इसका ताजातरीन उदाहरण सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर चंग बजाते, फागुनी गीत गाते युवाओं की टीमों को देखा जा सकता है।इसी तरह सोशल मीडिया पर लोकगीतों और लोक परंपराओं की पालन करती महिलाओं को देखना आम होता जा रहा है।यह सोच के बदलाव का ही परिणाम है। अन्यथा हालात ऐसे होते जा रहे हैं कि एक कमरे में बैठे परिवार के सभी सदस्य चाहे बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चे, सभी स्क्रीन की दुनिया में खोए हुए देखे जाते हैं।बदलाव का यह दौर अब सोशल मीडिया पर तो सक्रिय है पर यह सक्रियता सामाजिकता को दशार्ती मूल्यात्मक सक्रियता है।

टचिंग ग्रास रिपोर्ट में खासतौर से 11 रुझान देखे गए हैं। इनमें कोलोजन इकोनोमी, एल्गोडिट्च, या एल्गोरिदम, साइडक्वेस्टकोर, मिथ मेकिंग आदि है। जेन जेड युवा की समझ में अब प्रतिस्पर्धा का कोई महत्व ना होकर कोलोजन इकोनोमी यानी एक ही काम करने वाले प्रतिस्पर्धा के स्थान पर परस्पर सांठगांठ या समन्वय से कारोबार को बढ़ाने पर ध्यान देने लगे हैं। सटीक परिणाम पर विश्वास रखने लगे हैं तो स्टेप वाइज आगे बढ़ने की रणनीति अपनाने लगे हैं। पंरपरागत सांस्कृतिक परंपराओं का आधुनिक नाइट लाइफ से सामंजस्य बिठाया जाने लगा है।सोच में बदलाव यहां तक देखा जा सकता है कि अब अकेला होना आत्मविश्वास का परिचायक माना जाने लगा है।जूमर्स आज कलम ढूंढने लगे हैं तो कम्प्यूटर पर अंगुलियां चलाने के साथ लिखने का भी महत्व समझने लगे हैं। आज भले डिजिटल मीडिया कितनी ही तेजी से बढ़ रहा हो पर प्रिन्ट मीडिया की विश्वसनीयता बढ़ी है और टीवी चौनलों की चकाचौंध से आज का युवा दूर हो रहा है। अखबारों की वापसी के संकेत मिल रहे हैं तो जूमर्स की पढ़ने-पढ़ाने की रुचि भी बढ़ने लगी है। पुस्तक मेलों में पाठकों की वापसी होने लगी है। यह कोई कहने की बात नहीं हैं अपितु सामने दिख रही है।

सामाजिक विरुपता को जूमर्स समझने लगे हैं और अब उनका प्रयास सामाजिक परिवेश से जुड़ने का होने लगा है। यह बदलाव का साफ संकेत हैं। टचिंग ग्रास की रिपोट्र्स से सकारात्मक बदलाव का संकेत सामने आने लगा है और इससे यह लगने लगा है कि तकनीक और व्यावहारिक जगत एक-दूसरे के विरोधी ना होकर एक-दूसरे के पूरक हैं और तकनीक के साथ-साथ सामाजिक जुड़ाव शुभ संकेत माना जाना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आनंद का आनंद इसी संसार में

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

वैज्ञानिक खोजों ने मानव संहार के अनेक उपकरण बनाए हैं। मध्य पूर्व में युद्ध जारी है। मानवता बारूद के ढेर पर है। विज्ञान निर्मम है। उसका लोकमंगल से कोई लेना-देना नहीं है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले धर्महीन समाज विश्व के अस्तित्व के लिए खतरा हैं। हिन्दू धर्म की दृष्टि में पूरी पृथ्वी एक परिवार है। इस परिवार में केवल मानव समाज का हित चिंतन ही नहीं है। वैदिक चिंतन में सभी जीव, पशु, पक्षी, कीट-पतिंग भी हमारे परिजन हैं। वनस्पतियां औषधियां भी उपास्य हैं। विज्ञान में ऐसी प्रीतिपूर्ण दृष्टि नहीं है। विज्ञान सिर्फ सत्य तथ्य देता है। सत्य तथ्य शिरोधार्य है। लेकिन सत्य का शिव और सुंदर होना भी जरूरी है।

वैदिक दर्शन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। लोकमंगल का उद्देश्य है और विश्व को सुंदर बनाने की अभिलाषा है। इन सबका सार हिन्दुत्व है। कोई अंधविश्वास नहीं। कोई जबरदस्ती नहीं। असहमत के प्रति भी आदर भाव है। हिन्दुत्व में प्रेय श्रेय साथ-साथ हैं। विज्ञान और लोक मंगल भी परस्पर प्रीति में हैं।

डॉ. राधाकृष्णन ने कहा है 'वैज्ञानिक हमें ऐसे विभिन्न ढंग बताते हैं जिनसे पृथ्वी नष्ट हो सकती है। यह कभी सुदूर भविष्य में चन्द्रमा के बहुत निकट आ पहुंचने से या सूर्य के ठंडा पड़ जाने से नष्ट हो सकती है। कोई पुच्छल तारा पृथ्वी से टकरा सकता है। धरती से ही कोई जहरीली गैस निकल सकती है। परन्तु यह सब बहुत दूर की सम्भावनाएं हैं; जबकि अधिक सम्भावना इस बात की है कि मानव-जाति स्वयं जान-बूझकर किए गए कार्यों से और अपनी मूर्खता और स्वार्थ के कारण, जो मानव-स्वभाव में मजबूती से जमे हुए हैं, नष्ट हो सकती है। यह बड़ी करुणाजनक बात है कि ऐसे संसार में जो हम सबके आनंद लेने के लिए है और जो हम यदि आजकल युद्ध यन्त्रजात को पूर्णता तक पहुंचने में लगाई जा रही ऊजाओं के केवल थोड़े-से हिस्से का ही इसके लिए उपयोग करें तो इसे आनंदमय बनाया जा सकता है।'

हिन्दुत्व भारत की प्रकृति है और संस्कृति भी। यह भारत के लोगों की जीवनशैली है। इस जीवन शैली में सभी विश्वासों के प्रति आदर भाव है। लेकिन भारतीय राजनीति के आख्यान में हिन्दुत्व के अनेक चेहरे हैं। उग्र हिन्दुत्व, मुलायम (साफ्ट) हिन्दुत्व, साम्प्रदायिक हिन्दुत्व आदि अनेक विशेषण मूल हिन्दुत्व पर आक्रामक हैं। अंग्रेजी भाषान्तर में हिन्दुत्व को हिन्दुइज्म कहा जाता है। इज्म विचार होता है। विचार 'वाद' होता है। वाद का प्रतिवाद भी एक विचार होता है। पूंजीवाद-कैप्टलिज्म है। समाजवाद- सोशलिज्म है। इसी तरह कम्युनिज्म है। अंग्रेजी का हिन्दुइज्म भी हिन्दूवाद का अर्थ देता है लेकिन हिन्दुत्व हिन्दूवाद नहीं है। हिन्दुत्व समग्र मानवीय अनुभूति है। वीर होना वीरवाद नहीं होता, वीर होने का भाव वीरता है। दयावान होना दयावाद नहीं दयालुता है। हिन्दू होना हिन्दुता या हिन्दुत्व है।

कुछ विद्वान हिन्दू को मुसलमानों द्वारा दिया गया शब्द मानते रहे हैं लेकिन यह सही नहीं है। हिन्दू शब्द का प्राचीनतम उल्लेख 'अवेस्ता' में है और अवेस्ता इस्लाम से सैकड़ों वर्ष पुराना है। डेरियस (522-486ई०पू०) के शिलालेख में भी हिन्दू शब्द का उल्लेख है। हिन्दू शब्द विशेष संस्कृति वाले जनसमूह का घोतक है।

डॉ. राधाकृष्णन ने वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय व कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालय में हिन्दू तत्व पर 1942 में भाषण दिए थे। उन्होंने 'धार्मिक आदर्शों की दृष्टि से समाज के पुनर्गठन' पर कलकत्ता (कोलकाता) विश्वविद्यालय में कहा कि 'भारतीय जीवन और विचार के किसी पहलू पर तुलनात्मक दृष्टि से विवेचन एक विस्तृत विषय है।'

जीवन मूल्यों से समाज के आदर्श व सांस्कृतिक व्यवहार प्रभावित होते हैं और सभ्यता की उम्र भी। भारतीय राष्ट्रजीवन की सांस्कृतिक निरंतरता स्वयं सिद्ध है। और प्राचीनता का मूल कारण विचारणीय है। डॉ. राधाकृष्णन ने औरंगजेब द्वारा अपने अध्यापक मुल्ला साहब को लिखे पत्र का सुंदर उदाहरण दिया है 'तुमने मेरे पिता शाहजहां से कहा था कि तुम मुझे दर्शन पढ़ाओगे। यह ठीक है, मुझे भली-भांति याद है कि तुमने अनेक वर्षों तक मुझे वस्तुओं के सम्बन्ध में ऐसे अनेक अव्यक्त प्रश्न समझाए, जिनसे मन को कोई संतोष नहीं होता और जिनका मानव समाज के लिए कोई उपयोग नहीं है। ऐसी थोथी धारणाएं और खाली कल्पनाएं, जिनकी केवल यह विशेषता थी कि उन्हें समझ पाना बहुत कठिन था और भूल पाना बहुत सरल था। क्या तुमने कभी मुझे यह सिखाने की चेष्टा की कि शहर पर घेरा कैसे डाला जाता है या सेना को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है?' औरंगजेब के जीवन का आदर्श युद्ध है। युद्ध मानवीय मूल्य रहित हिंसा है।

डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार 'तत्कालीन विश्व का संकट यही है कि वह सैनिक व्यवस्था के विषय में सबकुछ जानता है और जीवन मूल्यों के दर्शन व धर्म के केन्द्रीभूत प्रश्नों के सम्बन्ध में बहुत कम जानता है।'

भारतीय संस्कृति में मनुष्य की महिमा है। आनंदमय जीवन की अभिलाषा है। इस अभिलाषा को पूरा करने की आचार संहिता है। यह संहिता हिन्दू धर्म है। इस आचार संहिता में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। गांधीजी अहिंसा को उत्कृष्ट जीवन मूल्य बताते थे। इस आदर्श का प्रेरणा केन्द्र हिन्दुत्व है। संप्रति दुनिया में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आंधी है। भारत में यह सेकुलरवाद के रास्ते हिन्दू धर्म को भी कालवाह्य घोषित करने पर आमादा है। अन्य पंथ रिलीजन अपनी कट्टरता के चलते वैज्ञानिक दृष्टिकोण को श्रेष्ठ नहीं मानते। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनुचित नहीं है। वैज्ञानिकों ने प्रकृति के तमाम रहस्यों को उघाड़ने का काम किया है। अंधविश्वासी मतों, पंथों को भी चुनौती मिली है।

विज्ञान सत्य की खोज करता है। समाज ऐसी खोजों का उपयोग करता है। समाज इनका दुरूपयोग भी करता है। विश्व में पंथिक मजहबी मान्यताओं को लेकर तमाम युद्ध हुए हैं। हिन्दू दर्शन भी सत्य का शोध करता है। दर्शन का उद्देश्य केवल सत्य का निर्वचन करना ही नहीं है। इसका ध्येय मनुष्य का दुख दूर करना है। हिन्दू धर्म का उद्देश्य दुख का निवारण और आनंद की प्राप्ति है।

समाज में आनंद का आपूरण विज्ञान का लक्ष्य नहीं है। विज्ञान के गले में लोकमंगल की घंटी डालने की आवश्यकता है। यह कार्य हिन्दुत्व के रास्ते अधिक संभव है। हिन्दुत्व लोकमंगल का पर्याय है।

भारत का जीवन ध्येय आनंद है। केवल वैयक्तिक आनंद नहीं; सामाजिक सामूहिक आनंद भी। विवेकानंद ने कहा है, 'सभी देशों के निचले स्तर के मनुष्य इन्द्रियों के आनंद में उत्साह दिखाते हैं। किन्तु जो सच्चे अर्थों में शिक्षित और सुसंस्कृत हैं, उनके आनंद का आधार विचार और कला होती है। दर्शन और विज्ञान होता है।' सुख और आनंद के अनेक मानसिक व बौद्धिक तल होते हैं। इन्द्रिय भोग का सुख निम्न तल है। ज्ञान का सुख आनंद उच्च तल पर है। कला का आनंद गहरा है लेकिन अनुभूति दर्शन का आनंद बहुत गहरा है।

उपनिषद् दर्शन में आनंद की गहन अनुभूति है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद की व्याख्या है। शुरूआत में कहते हैं, 'सैषा आनंदस्य मीमांसा भवति-अब उस आनंद की मीमांसा करते हैं।' बताते हैं, 'मनुष्य युवा हो, श्रेष्ठ आचरण वाला हो। अध्ययनशील हो। संपूर्ण अंग बल युक्त हो। स्वस्थ हो। धन सम्पदा से युक्त हो तो इस लोक में आनंद है।' यहां आनंद के सभी उपकरण प्रत्यक्ष हैं। भौतिक हैं। संसारी हैं। कोई अंध आस्था नहीं। भाववाद नहीं। आनंद की प्राप्ति का स्थान भी यही लोक है। आनंद का आनंद इसी संसार में है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

मेषः कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक ङ्कूषचताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

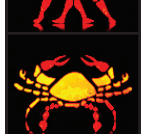
कर्कः खान-पान में सावधानी रखें। शत्रुभय, ङ्कूषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

मकरः सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

मीनः अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। *(सिटी दर्पण)*

संत रविदास का जीवन-संदेश और समरस भारत की दिशा

कैलाश चन्द्र (हि.स)

हरियाणा के समालखा स्थित माधव सृष्टि में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा 2026 में संत शिरोमणि संत रविदास के 650वें प्राकट्य वर्ष के अवसर पर व्यक्त विचार केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि भारतीय समाज के लिए एक गहरा मार्गदर्शन हैं। यह अवसर हमें उस महान संत परंपरा की स्मृति दिलाता है जिसने सदियों से भारत को आध्यात्मिक शक्ति, सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदना का मार्ग दिखाया है।

संत रविदास का जन्म 15वीं शताब्दी में काशी के समीप एक साधारण परिवार में हुआ। वे कर्म से जूते बनाने का कार्य करते थे, परंतु उनकी आत्मा भक्ति और आध्यात्मिक साधना में निमग्न रहती थी। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि श्रम कोई हीन कार्य नहीं, बल्कि ईश्वर की साधना का ही एक रूप है। इसी कारण उन्होंने समाज में श्रम की प्रतिष्ठा का संदेश दिया—एक ऐसा संदेश जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

उनकी भक्ति निर्गुण भाव की थी, जिसमें ईश्वर को निराकार, सर्वव्यापक और सबके भीतर विद्यमान माना गया। उनके पदों में बार-बार एक ऐसे आदर्श समाज की कल्पना मिलती है जहां किसी प्रकार का भेदभाव न हो। उनके प्रसिद्ध पद 'बेगमपुरा शहर को नांव' में वे एक ऐसे समाज का चित्रण करते हैं जहाँ न भय है, न कर, न भेदभाव—एक ऐसा समाज जो समानता, सम्मान और न्याय पर आधारित हो।

संत रविदास का जीवन करुणा, सेवा और समता का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने जन्म के आधार पर ऊंच-नीच को अस्वीकार करते हुए मनुष्य की श्रेष्ठता का आधार चरित्र और आचरण को माना। उनकी वाणी में सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध स्पष्ट चेतना दिखाई देती है। यही कारण है कि उनकी वाणी को व्यापक सम्मान मिला और गुरु ग्रंथ साहिब में उनकी 41 वाणियों को स्थान प्राप्त हुआ।

उनके व्यक्तित्व की महानता का प्रभाव इतना व्यापक था कि समाज के सभी वर्गों ने उन्हें स्वीकार किया। काशी के विद्वान, सामान्य जन और राजपरिवार—सभी उनके प्रति श्रद्धावनत हुए। महान भक्त मीराबाई ने उन्हें अपना गुरु माना। गुरु और शिष्य के रूप में संत रविदास और मीराबाई का संबंध भारतीय भक्ति परंपरा में सामाजिक समरसता का एक अनूठा उदाहरण है- जहां जाति या सामाजिक स्थिति का कोई महत्व नहीं, केवल भक्ति और आत्मीयता का संबंध है।

संत रविदास ऐसे समय में प्रकट हुए, जब समाज अनेक प्रकार की चुनौतियों से घिरा था। विदेशी आक्रमणों और सामाजिक विघटन के बीच उन्होंने भक्ति की निर्मल धारा को प्रवाहित किया। उन्होंने लोगों को धर्म, नैतिकता और आत्मबल के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। अनेक प्रयासों के बावजूद वे अपनी आस्था से विचलित नहीं हुए। उनकी आध्यात्मिक शक्ति इतनी प्रभावशाली थी कि उन्हें मतांतरित करने का प्रयास करने वाले लोग भी अंततः उनके अनुयायी बन गए।

आज जब समाज को जाति, वर्ग और विभिन्न पहचान के आधार पर बाँटने के प्रयास दिखाई देते हैं, तब संत रविदास का संदेश अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज की शक्ति विभाजन में नहीं, बल्कि समरसता और एकात्मता में है। मनुष्य की असली पहचान उसका जन्म नहीं, बल्कि उसका आचरण और उसका मानवीय दृष्टिकोण है।

संघ का शताब्दी वर्ष और पंच परिवर्तन का अभियान

इसी सामाजिक समरसता की दिशा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के माध्यम से व्यापक समाज-जागरण का अभियान चला रहा है। यह पाँच परिवर्तन—

सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवनशैली, नागरिक कर्तव्यबोध—समाज में मानवीय विकास की नई चेतना उत्पन्न करने के प्रयास हैं।

इन अभियानों के माध्यम से संघ देशभर में समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने, पारस्परिक सम्मान बढ़ाने और सेवा-कार्य के माध्यम से संवेदना जागृत करने का प्रयास कर रहा है। सामाजिक समरसता के कार्यक्रमों, सेवा-प्रकल्पों, ग्राम-विकास कार्यों और सांस्कृतिक जागरण के माध्यम से संघ का प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग में आत्मीयता और एकत्व का भाव मजबूत हो।

समरस समाज की दिशा में संकल्प–

संत रविदास का जीवन और संदेश हमें यह सिखाता है कि समाज में परिवर्तन केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि आचरण से आता है। जब हम श्रम का सम्मान करेंगे, भेदभाव को त्यागेंगे और सेवा को जीवन का आधार बनाएंगे, तभी सच्चे अर्थों में समरस समाज का निर्माण होगा।

आज संत रविदास के 650वें प्राकट्य वर्ष का अवसर हमें यही प्रेरणा देता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और समाज में समता, करुणा और भाईचारे की भावना को मजबूत करें। यदि संत रविदास की समता-दृष्टि और समाज-जागरण की चेतना को हम अपने जीवन और सामाजिक व्यवहार में स्थान दें, तो निश्चित ही एक ऐसा भारत निर्मित होगा जहां हर व्यक्ति सम्मान के साथ जी सके—एक ऐसा भारत जो वास्तव में समरस, संवेदनशील और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण हो।

आईटी और आईटीईएस सत्र के दौरान प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 को मिला भरपूर समर्थन

भगवंत मान सरकार का लक्ष्य प्रशासन, अकादमिक और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित कर मोहाली को टियर-1 आईटी हब के रूप में विकसित करना : सीमा बंसल

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/एसएएस नगर

आईटी और आईटीईएस सत्र में प्रतिभागियों की बड़ी भागीदारी के साथ प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 को निवेशकों की ओर से भारी समर्थन मिला। ह्लपंजाब ऑफरः प्रमोटिंग जीसीसीज विद स्पीड, क्लैरिटी एंड आफ्टर केयर विषय पर आधारित इस आयोजन ने तकनीकी निवेश और डिजिटल नवाचार के लिए एक प्रमुख स्थान के रूप में राज्य की लगातार मजबूत होती स्थिति को उजागर किया।

सत्र को संबोधित करते हुए पंजाब डेवलपमेंट कमीशन (पीडीसी) की वाइस चेयरपर्सन सीमा बंसल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार एसएएस नगर (मोहाली) को आईटी क्षेत्र में टियर-1 सिटी के रूप में विकसित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रशासन, अकादमिक और बुनियादी ढांचे जैसे मूलभूत स्तंभों पर विशेष ध्यान दे रही है।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त राज्य में कई विनिर्माण उद्योग पहले ही अपनी उत्पादन प्रक्रियाओं में एआई तकनीकों को सफलतापूर्वक शामिल करना शुरू कर चुके हैं।

व्यापक सहायता ढांचे को उजागर करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरेंद्र कुमार तिवाड़ी ने औद्योगिक एवं व्यापार विकास नीति 2026 के तहत आईटी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पंजाब सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे आकर्षक प्रोत्साहनों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आईटी और आईटीईएस इकाइयों के लिए प्रमुख वित्तीय लाभों की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिनमें 10 से 15 वर्षों के लिए 75 प्रतिशत शुद्ध एसजीएसटी प्रतिपूर्ति तथा पाँच वर्षों के लिए प्रति कर्मचारी प्रति माह 5000 रुपये रोजगार सृजन सब्सिडी शामिल है। उन्होंने आगे बताया कि निवेशक स्थिर पूंजी निवेश के 20 प्रतिशत तक पूंजी सब्सिडी का लाभ भी ले सकते हैं, जिसकी अधिकतम सीमा 10 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त 10 से 15 वर्षों के लिए बिजली शुल्क पर 100 प्रतिशत छूट का भी प्रावधान है।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) के संबंध में श्री तिवाड़ी ने बताया कि राज्य पहले 10 यूनिटों के लिए पाँच वर्षों तक प्रति कर्मचारी प्रति माह 7500 रुपये रोजगार सृजन सब्सिडी प्रदान कर रहा है। उन्होंने मानक आईटी इकाइयों के लिए प्रति वर्ग फुट 7 रुपये तथा जीसीसी के लिए प्रति वर्ग फुट 10 रुपये की किराया सब्सिडी का भी उल्लेख किया, जो पाँच वर्षों तक न्यूनतम 100 सीटों के लिए लागू होगी। श्री तिवाड़ी ने कहा कि डेटा सेंटरों को स्टाम्प ड्यूटी में 100 प्रतिशत छूट तथा मांग के आधार पर दोहरी पावर ग्रिड उपलब्धता जैसे अन्य प्रोत्साहनों का भी प्रावधान किया गया है।

श्री डी.के. तिवाड़ी ने बताया कि इन वित्तीय लाभों के अतिरिक्त गैर-वित्तीय सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, जिनमें 5 से 45 कार्य दिवसों के भीतर समयबद्ध स्वीकृतियाँ, सभी आईटी पार्कों को पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रेगुलेशन एक्ट (पापरा) 1995 से छूट, लचीले सेटबैक नियम और 45 मीटर राइट-ऑफ-वे वाली सड़कों पर असीमित फ्लोर एरिया रेशियो की अनुमति शामिल है।

इस दौरान विशेषज्ञों के एक विशेष पैनल, जिसमें डॉ. बिमल दीप सिंह (क्लाइंट सॉल्यूशन हेड झ लार्ज डील्स, इंफोसिस), मनीपाल धारीवाल (सीईओ, नेटस्मार्ट्ज), राजविंदर सिंह बोपाराय (सीनियर रीजनल प्रेसिडेंट, यूएस लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड) और टेक्सास के फ्लावर माउंड स्थित गुरु नानक देव ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जीएनडीजीयू) के चेयरमैन बलजीत सिंह शामिल थे, ने पंजाब के लिए उपलब्ध विशाल अवसरों पर अपने विचार साझा किए।

उन्होंने सर्वसम्मति से माना कि राज्य और पड़ोसी क्षेत्रों से कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता, ट्राईसिटी क्षेत्र का अनुकूल वातावरण तथा अन्य बड़े शहरों की तुलना में अपेक्षाकृत कम संचालन लागत के कारण मोहाली शहर आईटी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए उपयुक्त स्थिति में है।

विशेषज्ञों ने यह भी रेखांकित किया कि पंजाबी मूल के कई आईटी विशेषज्ञों में अपनी जन्मभूमि में लौटने की प्रबल इच्छा देखी जा रही है, जिससे स्थानीय प्रतिभा पूल और मजबूत होगा। पैनलिस्टों ने वर्तमान में बाजार में उपलब्ध विभिन्न जीसीसी मॉडलों पर अपनी विशेषज्ञ राय साझा की और इस क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यापक दायरे तथा भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की।

यह सत्र, जिसका संचालन केपीएमजी के निदेशक चंदन सिंह द्वारा किया गया, एक रोचक ओपन हाउस चर्चा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गरमजोशी भरी मेहमाननवाजी के साथ पंजाबी गीत संगीत और नृत्यों ने भी निवेशकों का मन मोह लिया

सिटी दर्पण संवाददाता

मोहाली (साहिबजादा अजीत सिंह नगर)

प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन-2026 के दौरान जहाँ देश-विदेश से आए निवेशक पंजाब सरकार की निवेश-समर्थक नीतियों से बेहद प्रभावित हुए, वहीं राज्य सरकार की गर्मजोशी भरी मेहमाननवाजी के साथ पंजाबी गीत-संगीत और नृत्यों ने भी निवेशकों का दिल जीत लिया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उद्घाटन सत्र के दौरान कहा था कि सम्मेलन में भाग लेने आए प्रतिनिधि पंजाबी गानों और खान-पान का भी आनंद लेंगे।

सम्मेलन के दौरान मोहाली गोल्फ रेंज में एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध पंजाबी गायक रंजीत बावा और हरजीत हरमन की गायकी ने डेलिगेट्स को झूमने और नाचने के लिए मजबूर कर दिया। इस अवसर पर जुगनी सांस्कृतिक समूह द्वारा प्रस्तुत लोक नृत्य लुड्डी और भंगड़ा ने भी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए खूब तालियाँ बटोरीं। रंजीत बावा ने अपने प्रसिद्ध गीत गाकर समां बांध दिया। बावा की दमदार प्रस्तुति पर प्रतिनिधियों ने जमकर भंगड़ा डाला। बावा ने हेवीवेट भंगड़ा, फैमिली दी मेंबर, शेर, मुकाबला, छोटे-छोटे घरां जैसे हिट गीत गाकर सभी का मनोरंजन किया।

हरजीत हरमन ने एक धार्मिक गीत के साथ अपनी प्रस्तुति की शुरूआत की और जिथों मरजी वंगां चढ़वा लईं मित्रां दा नाम चलदा, पंजाब गुरुओं की कृपा से बसता है, चौबी कैरेट गोल्ड सहित पंजाबी संस्कृति की झलक दिखाते अपने लोकप्रिय गीतों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

इस दौरान पंजाब के उद्योग, वाणिज्य और निवेश प्रोत्साहन मंत्री संजीव अरोड़ा ने देश-विदेश से आए सभी मेहमानों का सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर स्वागत किया। उन्होंने बताया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन के प्रतिनिधियों को पंजाबी संस्कृति से भी परिचित करवाया जा रहा है। इस अवसर पर कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां भी उपस्थित थे।

इस मौके पर इन्वेस्ट पंजाब सम्मेलन में देश-विदेश से आए बड़ी संख्या में डेलिगेट्स ने लोक गायकी से सजी इस खूबसूरत सांस्कृतिक शाम के साथ पंजाबी व्यंजनों का भी आनंद लिया।

पंजाब सरकार ने छोटे, लघु और मध्यम उद्योगों के विकास को बढ़ावा देने के लिए क्लस्टर आधारित रणनीति अपनाई: संजीव अरोड़ा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि माइक्रो , स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज (एमएसएमई) भारत की जीडीपी वृद्धि में लगभग 25 से 30 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यालयों में कार्य के लिए दैनिक स्तर पर अधिक से अधिक आर्टिफिशल इंटेलीजेंस के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख हिस्सा हैं और देश की प्राकृतिक निर्माण मशीन भी हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार एमएसएमई के आधुनिकीकरण और विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने उद्योगपतियों को उत्पादों की मांग बढ़ाने के लिए केवल मार्केटिंग पर निर्भर रहने के बजाय कीमत और गुणवत्ता पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब में बड़ी संख्या में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध हैं।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि पंजाब सरकार लगभग 1.6 लाख एमएसएमई इकाइयों के मजबूत आधार के साथ एक समर्पित एजेंसी स्थापित करने की योजना बना रही है, जो एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को अधिक गतिशील और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदलने में सहायक होगी। यह एजेंसी पंजाब में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, वित्त, प्रौद्योगिकी, बाजार और कौशल तक पहुंच को बेहतर बनाने तथा क्लस्टर आधारित विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एकल संस्थागत मंच के रूप में कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब एमएसएमई क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए क्लस्टर आधारित रणनीति अपनाएगा, जिससे बड़े पैमाने पर उत्पादन, सुविधाओं की साझेदारी और सामूहिक कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा। राज्य का उद्देश्य क्लस्टर विकास योजनाओं के उपयोग को अधिक प्रभावी बनाना है, साथ ही मौजूदा ढांचे में मौजूद कमियों को दूर करने और अब तक पूरी न हो सकी आवश्यकताओं के समाधान के लिए राज्य स्तर का क्लस्टर विकास कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। इस एमएसएमई सत्र के दौरान रुधरा प्रताप (कुलपति, प्लाक्शा यूनिवर्सिटी), धर्मेश गोस्वामी (पार्टनर, केपीएमजी), भूपिंदर पाल सिंह आनंद (डायरेक्टर, जल बाथ फिटिंग्स), मनबीर सिंह (डायरेक्टर, आईईई एलिवेटर्स) और राजेश मेहरा (एमडी, एक्टिव क्लोथिंग) ने भी भाग लिया।

अमित शाह का पंजाब दौरा पंजाबियों के लिए बहुत बड़ी निराशा: करनैल सिंह पीर मोहम्मद

सिटी दर्पण संवाददाता

जैतो

ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष और शिरोमणि अकाली दल पुनर सुरजीत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष करनैल सिंह पीर मोहम्मद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाल के पंजाब दौरे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस दौरे से पंजाब के लोगों को बहुत निराशा हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाबियों को उम्मीद थी कि केंद्र सरकार राज्य के ज्वलंत मुद्दों को हल करने के लिए कोई बड़ा ऐलान करेगी, लेकिन ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला ।प्रेस को जारी एक बयान में पीर मोहम्मद ने पंजाब के मौजूदा हालात पर गहरी चिंता जताई और तीन मुख्य मुद्दों पर जोर दिया ।इसमें ड्रग्स की लत और गैंगस्टरिज्म का खात्मा ।उन्होंने कहा कि पंजाब का युवा ड्रग्स और गैंगस्टरिज्म का शिकार हो रहा है। बॉर्डर स्टेट होने के कारण यहां सुरक्षा की बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने मांग की कि केंद्र और राज्य सरकारों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर मिलकर कोशिश करनी चाहिए ताकि पंजाब को इस जाल से निकाला जा सके। आर्थिक कर्ज.का बोझ के बारे में पीर मोहम्मद ने कहा कि

पंजाब पर करोड़ों रुपए का जो कर्ज. चढ़ा है, वह राज्य के विकास में सबसे बड़ी रुकावट है। उम्मीद थी कि केंद्रीय गृह मंत्री पंजाब के लिए एक खास आर्थिक पैकेज या कर्ज.माफी का ऐलान करेंगे, लेकिन उनका दौरा सिर्फ.राजनीतिक गतिविधियों तक ही सीमित रहा और एक मिली-जुली रणनीति की जरूरत थी। उन्होंने बयान में आगे कहा कि पंजाब को फिर से 'रंगला पंजाब' बनाने के लिए केंद्र सरकार को बड़ा दिल दिखाने की जरूरत है। जब तक केंद्र और राज्य मिलकर कोई ठोस पॉलिसी नहीं बनाते, तब तक ड्रग्स और क्राइम पर रोक लगाना मुश्किल है ।पीर मोहम्मद ने केंद्र सरकार से अपील की कि वह पंजाब के मुद्दों को सिर्फ.वोट की राजनीति से न देखे, बल्कि इस सीमावर्ती राज्य की स्थिरता और खुशहाली के लिए गंभीर कदम उठाए

डीआरआई ने 14.13 करोड़ रुपए मूल्य का सोना, चांदी और नकदी जब्त की गई; 6 लोगों को किया गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता

जैतो

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने विदेशी मूल के सोने की भारत में तस्करी, रेल मार्ग से परिवहन, अवैध संयंत्रों में पिघलाने और उसमें मिलावट करने तथा घरेलू बाजार में गुपचुप तरीके से बिक्री करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में 14.13 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना, चांदी और भारतीय मुद्रा जब्त की गई और छह लोगों को गिरफ्तार किया गया ।सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के अंतर्गत कुल मिलाकर, 13.41 करोड़ रुपये मूल्य का 8286.81 ग्राम सोना, 19.67 लाख रुपये मूल्य का 7350.4 ग्राम चांदी और 51,74,100 रुपये की भारतीय मुद्रा जब्त की गई ।विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, डीआरआई के अधिकारियों ने कोलकाता से ट्रेन द्वारा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आए एक यात्री को रोका जिसके पास विदेशी मुहर वाला सोना था जिसे स्टेशन के बाहर एक प्राप्तकर्ता को सौंपना था। यात्री और प्राप्तकर्ता दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया ।प्राप्त जानकारियों के आधार पर दिल्ली में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली में सोने की पिघलाने की एक अवैध स्थान का पता चला। इस स्थान का उपयोग विदेशी मूल के सोने को स्थानीय बाजार में बेचने से पहले उसमें मिलावट करने के लिए किया जाता था। परिसर से अतिरिक्त सोना,

चांदी और भारतीय मुद्रा बरामद की गई और स्थान का संचालन करने वाले प्रबंधक को भी गिरफ्तार कर लिया गया ।आगे की जांच कोलकाता तक पहुंची, जहां गिरोह के सरगना का पता एक अन्य अवैध सोना पिघलाने वाली इकाई में चला। वहां उसके पास और भी मिलावटी सोना था। उसे सोना ले जाने वाले दो व्यक्तियों के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत में तस्करी करके लाया गया विदेशी चिह्नों वाला सोना उन्होंने प्राप्त किया था, उस पर से पहचान चिह्न हटाने के लिए उसे पिघलाया था, और आगे देने के लिए रेल मार्ग से दिल्ली ले जाया जाना था ।सोने की तस्करी, परिवहन, पिघलाने और निपटान में शामिल सभी छह व्यक्तियों को गिरफ्तार कर सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त-समाचार

गैंगस्टरां ते वार का 54वां दिनः पंजाब पुलिस द्वारा 529 स्थानों पर छापेमारी; 196 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक गैंगस्टरां ते वार मुहिम के 54वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में गैंगस्टरों के साथियों के पहचाने गए और मैप किए गए 529 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरां ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई एक निर्णायक मुहिम है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं ।54वें दिन पुलिस टीमों ने 196 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से चार हथियार बरामद किए। इसके साथ ही अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 14,722 हो गई है। इसके अलावा 70 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 107 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने तीन भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध को 379वें दिन भी जारी रखते हुए आज 80 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 9 किलो हेरोइन, 700 ग्राम अफीम, 5 किलो भुक्की, 2457 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 10,400 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही पिछले 379 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 53,712 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के हिस्से के रूप में पंजाब पुलिस ने आज 33 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए तैयार भी किया है।

लाइट, कैमरा, एक्शनः नई फिल्म नीति के साथ पंजाब के सिल्वर स्क्रीन के सपने उड़ान भरने को तैयार

चंडीगढ़। पंजाब को फिल्म निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने ह्लपंजाब फिल्म प्रमोशन नीति 2026ह्व लागू की है, जिसे निवेश को आकर्षित करने के लिए लाभकारी और लचीला बनाया गया है। यह बात मोहाली स्थित प्लाक्शा यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 के दौरान मीडिया और मनोरंजन सत्र में आयोजित पैनल चर्चा में सामने आई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंजाब के मीडिया प्रभारी श्री बलतेज पन्नू ने कहा, हम हर फिल्मकार, हर निवेशक और हर रचनात्मक व्यक्ति का स्वागत करते हैं। आपको जो भी चाहिए और जैसे भी चाहिए, मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार आपके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि पंजाब की नकारात्मक छवि प्रस्तुत करने वाले बिचौलियों का दौर समाप्त हो चुका है और फिल्मकारों तथा मीडिया से जुड़े लोगों को शूटिंग के लिए सिंगल विंडो क्लियरेंस प्रणाली तथा हर प्रकार की सरकारी सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का ड्रीम प्रोजेक्ट है और इसे वास्तविकता में बदलने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पंजाब की पंजाबियत की आत्मा कभी खत्म नहीं हो सकती। श्री पन्नू ने बताया कि सरकार फिल्म शूटिंग के लिए अनुमति प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कई सुधार कर रही है। उन्होंने एक हालिया उदाहरण देते हुए कहा कि जब एक प्रोडक्शन यूनिट को किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ा तो संबंधित अधिकारी को एक फोन करने पर ही समस्या तुरंत हल हो गई। उन्होंने विश्वास दिलाया कि पंजाब की धरती पर कदम रखने वाला हर कलाकार और फिल्म उद्योग से जुड़ा व्यक्ति हमारे परिवार का हिस्सा है। हम हर संभव सहायता करेंगे ताकि वह यहां खुद को घर जैसा महसूस करे। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म शूटिंग के लिए निर्बाध अनुमति सुनिश्चित करने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने की योजना बनाई जा रही है। पंजाब के बुनियादी ढांचे का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में दो अंतरराष्ट्रीय और चार घरेलू हवाई अड्डे हैं, जिससे दुनिया भर में बसे पंजाबी आसानी से यहां आ सकते हैं।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति पाकिस्तान-आधारित तस्करों के संपर्क में थे और भारत-पाक सीमा के निकट से खेप प्राप्त कर रहे थे: डीजीपी गौरव यादव

अमृतसर में सीमा पार से संचालित तस्करी मॉड्यूलों से जुड़े 6 व्यक्ति गिरफ्तार; तीन पीएक्स-5.7 सहित छह पिस्तौल बरामद

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छह आधुनिक पिस्तौल और 3.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद कर सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के दो अलग-अलग मॉड्यूलों का पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान करन सिंह (26), गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (22), राकेश उर्फ केशू (26), चमकौर सिंह उर्फ चमकौर (23) – चारों निवासी खेमकरण, जिला तरनतारन – तथा मखनदीन उर्फ मख्खन (22) निवासी नाग कलां, अमृतसर और जसबीर सिंह उर्फ बीरा उर्फ रघु (19) निवासी गांव मूलेचक्क , अमृतसर के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में तीन पीएक्स 5.728 एमएम टीआईएसएएस (तुर्की) पिस्तौल, दो .30 बोर और एक 9 एमएम पिस्तौल के अलावा 60 जिंदा कारतूस भी शामिल हैं। इस कार्रवाई में बरामद किए गए आधुनिक ऑटोमैटिक पीएक्स 5.728 एमएम टीआईएसएएस तुर्की सीरीज के पिस्तौल नवीनतम हथियार हैं और यह दुर्लभ बरामदगियों में से एक माने जाते हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के पाकिस्तान-आधारित तस्करों से संबंधों का खुलासा हुआ है, जो ड्रोन के माध्यम से भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट हथियारों और नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरोपी सीमा पार के एक हैंडलर के अधीन काम कर रहे थे, जिससे संकेत मिलता है कि यह एक बड़ा संगठित तस्करी नेटवर्क हो सकता है।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जा सके।

पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गश्त और तलाशी के दौरान पुलिस टीमों ने मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवकों – करन सिंह और गुरप्रीत उर्फ गोपी – को रोका। तलाशी लेने पर उनके पास से दो टीआईएसएएस तुर्की पिस्तौल, मैगजीन और 20 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। उन्होंने आगे बताया कि इन आरोपियों के खुलासे के बाद जांच के दौरान गोला-बारूद सहित एक और टीआईएसएएस तुर्की पिस्तौल और एक .30 बोर पिस्तौल बरामद की गई।

उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीकी गांवों से संबंधित हैं, जिससे सीमा पार से इन हथियारों की तस्करी में उन्हें मदद मिली। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपने सप्लायर का खुलासा किया, जिसकी पहचान मखनदीन उर्फ मख्खन के रूप में हुई। बाद में उसे एक .30 बोर पिस्तौल, मैगजीन और गोला-बारूद सहित गिरफ्तार कर लिया गया।

सीपी ने बताया कि इसी तरह की एक अन्य कार्रवाई में पुलिस टीमों ने संदिग्ध राकेश उर्फ केशू और चमकौर सिंह को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 200 ग्राम हेरोइन बरामद की। उनके खुलासे पर 800 ग्राम और हेरोइन बरामद की गई, जिससे इस मामले में हेरोइन की कुल बरामदगी 1 किलोग्राम हो गई।

उन्होंने कहा कि इस मामले में विश्वसनीय गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने आगे की कार्रवाई करते हुए जसबीर सिंह उर्फ बीरा उर्फ रघु को 2.5 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार कर लिया ।इस संबंध में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं– थाना गेट हकीमा में आर्म्स एक्ट की धारा 25(8) के तहत एफआईआर नंबर 59 दिनांक 08-03-2026, थाना छेहरटा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-सी और 21-बी के तहत एफआईआर नंबर 53 दिनांक 10-03-2026, और थाना वेरका में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-सी के तहत एफआईआर नंबर 27 दिनांक 08-03-2026 दर्ज की गई है।

नेपाल के गोरखा जिले में बस हादसा सात भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत

मनकामना मंदिर से दर्शन कर लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस 200 मीटर नीचे गिरी

7 गंभीर रूप से घायल; मृतकों में अधिकांश महिलाएं

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

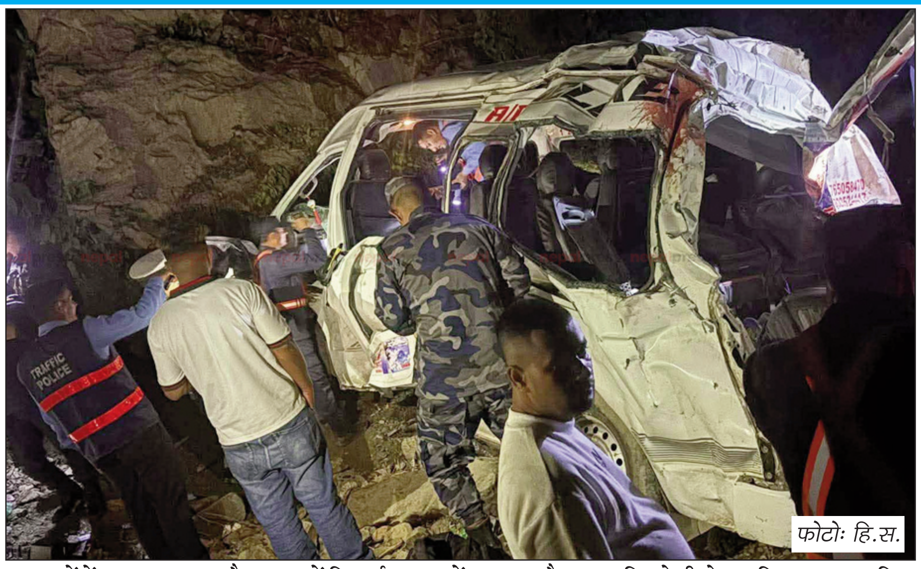
फोटोः हि.स.

नेपाल के गोरखा जिले में शनिवार देरात हुए बस हादसे में सात भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। 14 तीर्थयात्री मनकामना मंदिर के दर्शन कर माइक्रो बस (बागमती प्रदेश 006 ब 8430) से लौट रहे थे। यह बस शहीद लखन गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

गोरखा जिला पुलिस अधीक्षक भरत बहादुर के अनुसार बस में सवार 14 लोगों में से सात की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें पांच महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। अन्य सात गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उनका विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है।

पुलिस ने बताया कि बस सड़क किनारे लगभग 200 मीटर नीचे ढलान में गिर गई। वाहन में चालक और सह चालक को छोड़कर बाकी सभी यात्री भारतीय नागरिक थे। हादसे की सूचना मिलते ही गोरखा स्थित सशस्त्र पुलिस बल नेपाल की 29वीं बटालियन की बचाव टीम और जिला पुलिस कार्यालय गोरखा के पुलिसकर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया। नेपाल पुलिस ने मृतकों की सूची जारी की है। इनमें से किसी के भी प्रदेश का जिक्र नहीं है। यह सूची इस प्रकार है- मुतु कुमार, 58 वर्ष, पुरुष, अनामलिका, 58 वर्ष, महिला, मीनाक्षी, 59 वर्ष, महिला, शिवगामी, 53 वर्ष, महिला, विजयाल, 57 वर्ष, पुरुष, मीणा, 58 वर्ष, महिला, तमिलारेशी 60 वर्ष, महिला। पुलिस का कहना है कि इनके दक्षिण भारतीय होने की संभावना है।

भरतपुर मेडिकल अस्पताल में भर्ती घायल भारतीय नागरिकों की सूची इस प्रकार है- सोरनम, 62 वर्ष, पुरुष, मंगदा जलम, 65 वर्ष, महिला, सुभद्रा, 75 वर्ष, महिला, मायला, 65 वर्ष महिला, सरोजा, 73 वर्ष, महिला, भाग्यलक्ष्मी, 65 वर्ष, महिला, मीनाक्षी, 34 वर्ष, महिला।

मालदह में न्यायिक हिरासत में कैदी की मौत को लेकर थाने के बाहर प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)

मालदह

फोटोः हि.स.

पश्चिम बंगाल के मालदह जिले के रतुआ थाना क्षेत्र में न्यायिक हिरासत के दौरान एक कैदी की मौत को लेकर शनिवार रात तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों ने शव को थाने के सामने रखकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया।

मृतक की पहचान 55 वर्षीय भोला मंडल के रूप में हुई है, जो रतुआ थाना क्षेत्र के भादो ग्राम पंचायत इलाके का निवासी था। जानकारी के अनुसार नौ फरवरी को भादो इलाके में सेताबुद्दीन नामक एक व्यवसायी को आम बागान से गंभीर रूप से घायल अवस्था में बरामद किया गया था, जिसकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने भोला मंडल समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया था। पहले उसे चांचल सुधार गृह में रखा गया था और बाद में मालदह जिला सुधार गृह में स्थानांतरित किया गया।

परिवार के अनुसार 11 मार्च को भोला मंडल को अचानक सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। इसके बाद सुधार गृह प्रशासन ने उसे मालदह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पुलिस निगरानी में उसका इलाज चल रहा था। उपचार के दौरान शनिवार तड़के उसकी मौत हो गई।

शव परिजनों को सौंपे जाने के बाद शनिवार रात परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग रतुआ थाने के सामने पहुंच गए और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई और उन्होंने थाने के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग 131 पर बैठकर सड़क जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के साथ केंद्रीय बल को भी तैनात किया गया। काफी मशक्कत के बाद हालात सामान्य हुए और परिजन शव को लेकर वहां से चले गए। इस घटना पर पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

बलोचिस्तान में पुलिस पर हमले, कहीं हथियार छीने, कहीं वाहन फूंके

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

क्वेटा

बलोचिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में सशस्त्र समूहों ने पुलिस बलों को निशाना बनाया है। तुरबत में चोगन कुंड के पास हथियारबंद लोगों ने पुलिस दल को निशाना बनाया और डीएसपी के आधिकारिक वाहन को हथियारों सहित छीन कर फरार हो गए। इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में इन घटनाओं का जिक्र किया गया है। चोगन कुंड की घटना के बाद ईशा की नमाज के समय तुरबत हवाई अड्डे के पास एक जोरदार धमाका सुना गया। हालांकि, धमाके की प्रकृति और इसके संभावित प्रभावों के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि या स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। इसी बीच, चागाई जिले के पदाग इलाके में मोटरसाइकिल सवार हथियारबंद लोगों ने एक पुलिस चौकी पर हमला किया। हमलावरों ने एक पुलिस वैन और एक मोटरसाइकिल में आग लगा दी और हथियार लूट लिए। इन घटनाओं की जिम्मेदारी अभी तक किसी ने नहीं ली है।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो किशोर की मौत

पूर्वी सिंहभूम। सुंदरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुदादा के पास रविवार देर रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। मृतकों की पहचान हिस्कू गांव निवासी 16 वर्षीय दुर्गा हेंब्रम और केडो गांव निवासी 15 वर्षीय मार्शल सोरेन के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों किशोर हीरो होंडा स्प्लेंडर बाइक से किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान कुदादा के पास तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों किशोरों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया और ट्रक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। बताया जाता है कि ग्रामीणों ने ट्रक चालक को पकड़कर कुछ देर के लिए बंधक भी बना लिया और जमकर पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही सुंदरनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाकर स्थिति को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं ट्रक चालक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो किशोरों की मौत

एजेंसी (हि.स.)

पूर्वी सिंहभूम

फोटोः हि.स.

सुंदरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुदादा के पास शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। मृतकों की पहचान हिस्कू गांव निवासी 16 वर्षीय दुर्गा हेंब्रम और केडो गांव निवासी 15 वर्षीय मार्शल सोरेन के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार दोनों किशोर हीरो होंडा स्प्लेंडर बाइक से किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान कुदादा के पास तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों किशोरों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया और ट्रक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। बताया जाता है कि ग्रामीणों ने ट्रक चालक को पकड़कर कुछ देर के लिए बंधक भी बना लिया और जमकर पिटाई कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही सुंदरनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाकर स्थिति को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं ट्रक चालक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद दोनों किशोरों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

संक्षिप्त-समाचार

औरंगाबाद में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से जंगली हाथी की मौत

डेहरी आन सोन। एक माह से रोहतास जिले के डेहरी अनुमंडल क्षेत्र के सोन डीला व तराई क्षेत्रों में घूम रहा हाथी की कल की रात औरंगाबाद जिला के मेंह थाना क्षेत्र में 11 हजार संचरण लाइन में फंसकर मौत हो गई। हाथी इससे कुछ ही घंटे पूर्व यहां इंद्रपुरी बराज के गेट में फंसने के बाद रेस्क्यू के दौरान भागकर औरंगाबाद जिला में प्रवेश कर गया था। सहायक वन संरक्षक चौहान शशि भूषण कुमार ने बताया कि हाथी इंद्रपुरी बराज के गेट में फंस गया था। वहां रेस्क्यू का प्रयास किया गया, लेकिन वह औरंगाबाद जिला के मेंह गांव में चला गया। जहां वह 11 हजार के विद्युत संचरण लाइन में फंस गया। घटना की जानकारी होते ही डीएफओ स्टालिन फीडल के कुमार, रेंजर डेहरी दीपक कुमार, औरंगाबाद की डीएफओ रुचि सिंह समेत कई वन अधिकारी पहुंचे है। हाथी का आज अंत्यपरीक्षण के लिए वन विभाग की टीम पटना से आ रही है। बताया जाता है कि लगभग एक माह पूर्व हाथी औरंगाबाद के मदनपुर जंगल से नवीनगर होते भटककर सोन नदी की तराई में आया था। यह नौहट्टा, रोहतास व तिलौथू प्रखंड के सोनडीला और जंगलों में रह रहा था। इस दौरान फसलों व पशुओं को कुछ नुकसान भी पहुंचाया था। वह इंद्रपुरी बराज के पश्चिमी जल संग्रहण क्षेत्र में पहुंच कर बराज के गेट में जाकर फंस गया था। सूचना मिलने के बाद आसपास के गांवों के लोग वहां पहुंच वन विभाग की टीम के साथ उसे रेस्क्यू का प्रयास की थी। डीएफओ ने बताया कि जंगली हाथी इंद्रपुरी बराज में आकर फंस गया था। स्थानीय पुलिस और वन विभाग की पहल पर हाथी बराज से बाहर निकला और औरंगाबाद जिले के मेंह थाना क्षेत्र में प्रवेश कर गया। लोगों की भीड़ के कारण हाथी पुनः बराज की ओर बढ़ने लगा। दस से बारह फीट ऊंचाई से गुजरे 11 हजार के हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। हाथी की निगरानी ड्रोन कैमरे से की जा रही थी।

मध्य प्रदेश में बदलेगा मौसम का मिजाज, चार दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में तेज गर्मी के बीच अब मौसम करवट लेने वाला है। प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक आंधी और बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने रविवार को उत्तर और दक्षिण हिस्से के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस बदलाव के मुख्य कारण वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और टर्फ सिस्टम हैं। 17 मार्च को एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा, जिसका असर मध्य प्रदेश पर भी पड़ सकता है। इस प्रणाली के चलते अगले कुछ दिनों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहेगा। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, डिंडोरी और बालाघाट में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। विभाग का कहना है कि 18 मार्च तक प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। मार्च महीने में इस बार पहली बार मावठा गिरने की संभावना भी जताई जा रही है। जारी किए गए अलर्ट के अनुसार, 16 मार्च को बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, अनूपपुर, 17 मार्च को सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर और 18 मार्च को ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शहडोल, अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा में बारिश और आंधी का असर देखने को मिल सकता है। तेज गर्मी का असर अब भी प्रदेश के कई हिस्सों में बना हुआ है। शनिवार को भी प्रदेश के कई शहरों में तीव्र लू चली और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। खासकर, नर्मदापुरम प्रदेश में सबसे गर्म बना हुआ है। यहां पिछले तीन दिनों से लू का प्रभाव बना हुआ था, जहां अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से 6.9 डिग्री अधिक है। वहीं, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर-उज्जैन से भी गर्म जबलपुर रहा। यहां अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नर्मदापुरम के बाद खरगोन सबसे गर्म रहा। यहां पारा 39.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंडला, रतलाम, दमोह, खंडवा, खजुराहो, रायसेन, शाजापुर, गुना, नरसिंहपुर, सतना, सिवनी, बैतूल, छिंदवाड़ा, टीकमगढ़, उमरिया, सागर और धार में तापमान 37 डिग्री या इससे ज्यादा दर्ज किया गया।

कतर एयरवेज की दोहा काठमांडू विशेष उड़ान फिर शुरू होगी

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

फोटोः हि.स.

मध्यपूर्व क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। इसी बीच कतर की राजधानी दोहा से काठमांडू तक उड़ान संचालन होने वाली है। कतर एयरवेज के अनुसार 16 और 17 मार्च को दोहाझकाठमांडू उड़ान संचालित की जाएगी। इसी तरह 17 और 18 मार्च को काठमांडूझदोहा उड़ान का भी समय निर्धारित किया गया है।

नेपाल से कतर जाने वाले या दोहा ट्रांजिट के माध्यम से अन्य देशों की यात्रा करने वाले यात्री इस उड़ान सुविधा का लाभ ले सकेंगे। कतर एयरवेज काठमांडू के अलावा नई दिल्ली, मुंबई, ढाका, बैंकॉक, इस्तांबुल, लंदन, पेरिस सहित एशिया और अन्य अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए भी विशेष उड़ानें संचालित कर रही है। फिलहाल मध्यपूर्व क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण कुछ देशों ने हवाई मार्गों पर सतर्कता बढ़ा दी है और कई उड़ानों को रद्द या उनके मार्ग में बदलाव किया गया है। क्षेत्रीय तनाव के कारण उड़ान प्रबंधन में चुनौतियां बढ़ रही हैं, ऐसे समय में दोहाझकाठमांडू हवाई संपर्क का जारी रहना सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। कतर का हमाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा दुनिया के कई देशों के लिए एक प्रमुख ट्रांजिट केंद्र है। वैदेशिक रोजगार में गए कई नेपाली नागरिक इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। विशेष रूप से मध्यपूर्व में कार्यरत नेपाली श्रमिकों, नेपाल लौटने वाले यात्रियों और विदेश जाने वाले विद्यार्थियों के लिए दोहाझकाठमांडू उड़ान बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में उड़ान कार्यक्रम जारी रहने से यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में सुविधा होने की उम्मीद है। एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी उड़ान से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप या ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से नियमित रूप से अपडेट लेते रहें।

राजस्थान के 10 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

जयपुर। उत्तर भारत में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने 15 मार्च को प्रदेश के 10 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। नए सिस्टम के प्रभाव से शनिवार देर रात जयपुर सहित कई जिलों में हल्की बरसात हुई। मौसम विभाग ने 18 मार्च को फिर से बारिश और कहीं-कहीं ओले गिरने की संभावना जताई है। शनिवार देर रात जयपुर, टोंक, अजमेर और दौसा सहित कई जिलों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में गिरावट हुई और लोगों को तेज गर्मी से राहत मिली। प्रदेश के अन्य इलाकों में भी धूलभरी हवा और बादलों के कारण मौसम का मिजाज बदला रहा। दिनभर धूप कमजोर रही और हल्की हवा चलने से तापमान में कमी आ गई। शनिवार को कोटा, जोधपुर, जयपुर समेत कई जिलों के अधिकतम तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ गई। प्रदेश के सभी शहरों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार वर्तमान में सक्रिय सिस्टम का असर 15 मार्च तक रहेगा, जिससे प्रदेश में गर्मी से कुछ राहत मिली है। उन्होंने बताया कि 16 और 17 मार्च को मौसम साफ रहने की संभावना है, लेकिन 18 मार्च से एक नया सिस्टम सक्रिय होगा।

पेंटागन ने इराक में रीफ्यूलिंग विमान दुर्घटना में मारे गए छह अमेरिकी सैनिकों की पहचान की

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

वाशिंगटन

अमेरिकी रक्षा विभाग मुख्यालय पेंटागन ने गुरुवार को पश्चिमी इराक में ईरान के खिलाफ अभियान में हिस्सा ले रहे रीफ्यूलिंग विमान हादसे में मारे गए सभी छह अमेरिकी सैनिकों की पहचान कर ली है। पेंटागन ने कहा कि इस हादसे की जांच अभी भी जारी है। सीबीएस न्यूज ने रिपोर्ट में पेंटागन के हवाले कहा कि इन छह सैनिकों की पहचान इस प्रकार है- (1) मेजर जॉन ए. क्लिनर (33) ऑबर्न, अलबामा (2) कैप्टन एरियाना जी. सैविनो (31) कोविंगटन, वाशिंगटन, (3) टेक. सार्जेंट एशले बी. प्रुइट (34) बार्डस्टाउन, केंटकी (4) कैप्टन सेथ आर. कोवल (38) मूर्सविले, इंडियाना, (5) कैप्टन कर्टिस जे. एंगस्ट (30) विलमिंगटन, ओहियो और (6) टेक. सार्जेंट टायलर एच. सिमंस (28) कोलंबस, ओहियो।

पेंटागन ने कहा कि क्लिनर, सैविनो और प्रुइट फ्लोरिडा के मैकडिल एयर फोर्स बेस की 6वीं एयर रीफ्यूलिंग विंग और कोवल, एंगस्ट और सिमंस कोलंबस ओहियो में रिकेनबैकर एयर नेशनल गार्ड बेस की 121वीं एयर रीफ्यूलिंग विंग में तैनात थे।

अमेरिकी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल तीन दिनों के नेपाल भ्रमण पर

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

फोटोः हि.स.

अमेरिकी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल जोएल बी. वोवेल रविवार को काठमांडू पहुंचे। नेपाली सेना और नेपाल स्थित अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने उनका त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर स्वागत किया।

लेफ्टिनेंट जनरल वोवेल के नेतृत्व वाला दल तीन दिन की यात्रा के लिए काठमांडू पहुंचा है। इस दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल वोवेल प्रधान सेनापति अशोकराज सिग्देल सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। जनरल वावेल अमेरिकी सेना के इंडो पैसिफिक कमांड के डिप्टी कमांडिंग जनरल हैं। इससे पहले वो इंडो पैसिफिक कमांड के स्ट्रैटेजिक प्लानिंग एंड पॉलिसी के डिप्टी डायरेक्टर भी रह चुके हैं। बैठक में द्विपक्षीय हितों और आपसी संबंधों से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। भ्रमण दल पांचखाल स्थित श्री वीरेन्द्र शांति कार्य प्रशिक्षण केंद्र का भी निरीक्षण करेगा।

भूटान की यात्रा से पहले लेफ्टिनेंट जनरल वोवेल ने भारत का दौरा किया था। उन्होंने गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी से मुलाकात की। पांच मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव के बाद नेपाल आने वाले वे अब तक के सबसे उच्च पदस्थ अमेरिकी सैन्य अधिकारी हैं। इससे पहले 13 फरवरी को अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के जनरल सैमुअल जे. पापारो भी नेपाल आए थे।

इतिहास | सचिन ने 147 गेंदों पर 114 रन की शानदार पारी खेलते हुए किया था अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा

आज के दिन सचिन तेंदुलकर ने पूरा किया था शतकों का शतक

एजेंसी (हि.स.)

मार्च का महीना क्रिकेट इतिहास में कई अहम घटनाओं के लिए जाना जाता है, लेकिन 16 मार्च भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए खास महत्व रखता है। इसी दिन महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने शतकों का शतक पूरा कर एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जो आज भी दुनिया में अद्वितीय माना जाता है।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि उन्होंने 16 मार्च 2012 को एशिया कप के मुकाबले में बांग्लादेश राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ हासिल की थी। यह मैच ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। इस मुकाबले में सचिन ने 147 गेंदों पर 114 रन की शानदार पारी खेलते हुए अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। दरअसल, एकदिवसीय क्रिकेट में यह सचिन का 49वां शतक था, जबकि टेस्ट क्रिकेट में वह पहले ही 51 शतक लगा चुके थे। इस तरह उन्होंने कुल मिलाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक पूरे कर इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह दुनिया के पहले और अब तक के इकलौते बल्लेबाज हैं। भारत में क्रिकेट को अक्सर एक धर्म की तरह माना जाता है और सचिन तेंदुलकर को करोड़ों प्रशंसक क्रिकेट का भगवानभी कहते हैं। करीब ढाई दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सचिन ने अपने करियर में कई ऐसे रिकॉर्ड बनाए, जो आज भी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बने हुए हैं।

सचिन तेंदुलकर को उनके असाधारण योगदान के लिए भारत सरकार ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित किया है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि शतकों का शतक केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि सचिन की निरंतरता, समर्पण और खेल के प्रति उनके जुनून का प्रतीक है। यही वजह है कि 16 मार्च का दिन क्रिकेट इतिहास में हमेशा एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किया जाता है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1527 - बाबर ने खानवा के युद्ध में राणा सांगा को हराया। 1693 - इंदौर के होल्कर वंश का प्रवर्तक मल्हारराव होल्कर का जन्म हुआ। 1846 - प्रथम अंग्रेज-सिख युद्ध के फलस्वरूप अमृतसर संधि हुई। 1867- महान शल्य चिकित्सक जोसेफ लिस्टर की खोज एंटीसेप्टिक सर्जरी का प्रकाशन हुआ। 1901 - स्वतन्त्रता सेनानी पोट्टि श्रीरामुलु का जन्म हुआ। 1910 - भारत और इंग्लैंड, दोनों के लिए खेलने वाले एकमात्र क्रिकेटर इफ्तिखार अली खान पटौदी का जन्म हुआ। 1939 - जर्मनी ने चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा किया। 1966 - अमेरिका ने मानवयुक्त अंतरिक्ष यान जेमिनी-आठ प्रक्षेपित किया। 1968 - वियतनाम युद्ध के समय अमेरिकी सेनाओं ने सैकड़ों निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतार दिया। 1998 - चीनी राष्ट्रपति जियांग जेमिन अगले कार्यकाल के लिए पुनः राष्ट्रपति निर्वाचित। 2000 - पाकिस्तान में लाहौर की एक अदालत ने जावेद इकबाल को मौत की सजा सुनाई, जिसने 6 से 16 साल की उम्र के बच्चों के साथ दरिंदगी के बाद उनकी हत्या कर दी और सबूत छिपाने के लिए उनके शवों को काट-काटकर तेजाब में डाला। अदालत ने जावेद को उसी तरह से मारने के आदेश दिए थे जैसे वह बच्चों को मारता था, लेकिन उसने सजा की तामील से पहले ही आत्महत्या कर ली। 2003 - ग्रीन स्मिथ दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट कप्तान बने। 2004 - रूस में नौ मंजिला इमारत में विस्फोट, 21 मरे। 2005 - संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव कोफी अन्नान ने सुपाचयी पानिचपकड़ी को अंकटाड का नया अध्यक्ष नामांकित किया। 2006 - चुनाव के तीन महिने बाद ईराक की नयी संसद ने शपथ ग्रहण की। 2007 - एक ओवर में छह छक्के लगाकर दक्षिण अफ़्रीका के हर्शेल गिब्स ने विश्व रिकार्ड बनाया। 2008 - मुद्रास्फीति विगत नौ महीने के उच्चतम स्तर 5.11 फीसदी पर पहुंची। 2008 - परवेज मुशर्रफ ने पाकिस्तान में सजा-ए-मौत पा चुके भारतीय नागरिक सबरजीत सिंह के डेथ वारंट पर दस्तखत किये। 2008 - वेन जियावाओ को दोबारा चीन का प्रधानमंत्री चुना गया। 2009 - विदेश मंत्रालय में विशेष सचिव सरत सब्बरवाल पाक में भारत के नये उच्चायुक्त नियुक्त हुए। 2009 - शिवालिक वर्ग के तीन स्टाल्थ फ्रिगेटो में अमेरिकी इंजनों को लगाने पर अमेरिकी प्रशासन ने रोक लगाई।

जन्म

1693 - मल्हारराव होल्कर - इंदौर के होल्कर वंश का प्रवर्तक थे। 1901 - पोट्टि श्रीरामुलु - गांधी जी के अनुयायी स्वतन्त्रता सेनानी थे। 1901 - पी. बी. गजेन्द्रगडकर - भारत के भूतपूर्व सातवें मुख्य न्यायाधीश थे। 1906 - अम्बिका प्रसाद दिव्य - भारत के जाने-माने शिक्षाविद और हिन्दी साहित्यकार। 1916 - दयाकिशन सप्रू - हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध खलनायक तथा फि ल्म निमार्ता थे। 1938 - अली मानिकफान - भारतीय समुद्री शोधकर्ता, इकोलॉजिस्ट और शिपबिल्डर हैं। 1956 - तनुश्री शंकर - भारतीय शास्त्रीय नर्तकी हैं। 1958 - बिपिन रावत - भारत के प्रथम 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' थे।

निधन

1947 - अयोध्यासिंह उपाध्याय - प्रसिद्ध कवि, साहित्यकार 1955 - विजयानन्द त्रिपाठी - प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार। 1957 - पी. एस. कुमारस्वामी राजा - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे। 1963 - एम. पी. शास्त्री - भारत के भूतपूर्व दूसरे मुख्य न्यायाधीश थे। 1990 - विट्ठल सखाराम पागे - भारत के जाने-माने स्वतन्त्रता सेनानी और कुशल राजनीतिज्ञ थे। 1999 - लियोन ली फाक - फैंटम जैसे हास्य चरित्र के जनक।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच

हैदराबाद में सलीमा टेटे का ऐतिहासिक 'माइलस्टोन'

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे को अंतरराष्ट्रीय करियर में 150 मैच पूरे करने पर बधाई दी है। सलीमा ने यह उपलब्धि हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स 2026 के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड महिला हॉकी टीम के खिलाफ खेलते हुए हासिल की। यह मैच हैदराबाद के जी.एम.सी. बालयोगी हॉकी ग्राउंड में खेला गया।

झारखंड में जन्मी 25 वर्षीय मिडफील्डर सलीमा टेटे अपनी तेज रफ्तार और मैदान पर अथक मेहनत के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने नवंबर 2016 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। तब से वह राष्ट्रीय टीम की सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से

अर्जुन अवॉर्डी सलीमा टेटे की नई उपलब्धि; 25 की उम्र में 150 मैचों का अनुभव, हॉकी इंडिया ने किया सलाम

एक बन चुकी हैं और अब तक 16 अंतरराष्ट्रीय गोल भी कर चुकी हैं।

सलीमा ने मात्र 19 वर्ष की उम्र में ओलंपियन का दर्जा हासिल किया, जब वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। इसके बाद उनके करियर में लगातार उन्नति देखने को मिली। 2022 में मस्कट में आयोजित महिला एशिया कप में उन्हें ह्यराइजिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंटह्ल का पुरस्कार मिला, जहां भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया था।

उन्होंने 2021 में दक्षिण अफ्रीका

फोटोः हि.स.

के पोटचेफस्ट्रूम में आयोजित महिला जूनियर विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी भी की, जहां टीम चौथे स्थान पर रही। इसके अलावा 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में उनका अहम गोल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

सलीमा भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने 2022 में स्पेन में आयोजित ऋक्ल महिला नेशंस कप जीता और 2023 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक हासिल किया। उसी वर्ष रांची में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने सात मैचों में पांच गोल किए और ह्यप्लेयर ऑफ द टूर्नामेंटह्ल चुनी गईं।

साल 2024 में उन्हें भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान बनाया गया। उनकी अगुआई में भारत ने बिहार में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में स्वर्ण पदक जीता और 2025 के महिला एशिया कप में रजत पदक हासिल किया।

उनके शानदार प्रदर्शन को कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। 2021 में उन्हें ह्यहॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा अवॉर्डह्ल से नवाजा गया, जबकि 2023 में उन्हें ह्यहॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयरह्ल पुरस्कार मिला। 2024 में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना सलीमा की प्रतिभा, निरंतरता और समर्पण को दर्शाता है। वहीं महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि सलीमा हाल के वर्षों में भारतीय महिला हॉकी की सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं और भविष्य में उनसे और कई बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद है।

ईरान महिला फुटबॉल टीम की तीन सदस्यों का ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने से इनकार

एजेंसी (हि.स.)
कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)

फोटोः हि.स.

ऑस्ट्रेलियाई सरकार के एक मंत्री ने रविवार को स्थानीय समयानुसार बताया कि ईरान की महिला फुटबॉल टीम की ती सदस्यों ने अपना इरादा बदल लिया है। इनका ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिए शरणार्थी वीजा स्वीकार किया जा चुका है। बावजूद इसके उन्होंने अपने वतन लौटने का फैसला किया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इनके जाने के बाद टीम की शुरूआती सात सदस्यों में से अब सिर्फ तीन सदस्य ही ऑस्ट्रेलिया में हैं। टोनी बर्क ने एक बयान में कहा, रात भर में ईरान की महिला फुटबॉल टीम की तीन सदस्यों ने बाकी सदस्यों के साथ ईरान वापस जाने का फैसला किया।

उल्लेखनीय है कि ईरान की टीम पिछले महीने महिला एशियाई कप के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी। इसके फौरन बाद 28 फरवरी को मध्य पूर्व में युद्ध शुरू हो गया। इसके बाद हुआ यह कि दो मार्च को दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से पहले ईरानी महिला खिलाड़ियों ने अपना राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया। इसे ईरान में चल रहे शासन-विरोधी प्रदर्शनों के प्रति एकजुटता के प्रतीक के रूप में देखा गया।

ईरानी सरकारी मीडिया और वहां के उच्च अधिकारियों ने इन महिला खिलाड़ियों को युद्धकालीन देशद्रोही करार दिया। यह एक गंभीर आरोप है। इसके लिए ईरान में मौत की सजा तक का प्रावधान है। इन खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने टीम की कई सदस्यों को मानवीय वीजा प्रदान किया।

शुरूआत में सात सदस्यों (छह खिलाड़ी और एक स्टाफ) ने शरण स्वीकार की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए ऑस्ट्रेलिया से खिलाड़ियों को शरण देने की अपील की थी। ईरानी फुटबॉल महासंघ ने ऑस्ट्रेलिया पर खिलाड़ियों को अगवा करने और उन्हें जबरन शरण लेने के लिए उकसाने का आरोप लगाया है।

मेदवेदेव ने अल्काराज को साल की पहली हार का स्वाद चखाया, फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी (हि.स.)
इंडियन वेल्स (अमेरिका)

दानिल मेदवेदेव ने शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज को इस साल की पहली हार का स्वाद चखाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज करके इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। मेदवेदेव ने सेमीफाइनल में अल्काराज को 6-3, 7-6 (3) से पराजित किया। फाइनल में रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मेदवेदेव का मुकाबला इटली के दूसरी वरीयता प्राप्त यानिक सिनर से होगा। सिनर ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 6-4 से हराया। अल्काराज ने इससे पहले इस साल लगातार 16 मैच जीते थे, जिनमें ऑस्ट्रेलियाई ओपन और कतर ओपन के खिताब शामिल हैं। मेदवेदेव ने इस जीत से अल्काराज और सिनर के बीच एक और फाइनल की संभावना को खत्म कर दिया। मेदवेदेव इससे पहले अल्काराज के खिलाफ अपने पिछले चार मुकाबलों में हार गए थे, जिनमें 2024 में इंडियन वेल्स के फाइनल में मिली हार भी शामिल है। मेदवेदेव की 2023 में यूएस ओपन के सेमीफाइनल के बाद यह अल्काराज पर पहली जीत है। सिनर ने ज्वेरेव को एक घंटे 23 मिनट में ही हरा दिया। सिनर ने चौथी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव के खिलाफ छह ऐस लगाए। सिनर का ज्वेरेव के खिलाफ रिकॉर्ड अब 7-4 हो गया है। इस टूर्नामेंट में मेदवेदेव और सिनर दोनों ने ही अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। सिनर ने मेदवेदेव के खिलाफ अपने पिछले तीन मैच जीते हैं, जिनमें 2024 में यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल की जीत भी शामिल है। इस बीच महिला युगल के फाइनल में टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा ने अन्ना डैनिलिना और एलेक्जेंड्रा क्रुनिक को 7-6 (4), 6-4 से हराया।

16 साल के मैक्स डोमैन ने प्रीमियर लीग में रचा इतिहास

प्रीमियर लीग में सबसे कम उम्र के गोल स्कोरर बने

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

इंग्लिश प्रीमियर लीग के इतिहास में आज एक नया अध्याय जुड़ गया। आर्सेनल के 16 वर्षीय युवा विंगर मैक्स डोमैन ने एवर्टन के खिलाफ गोल दागकर वह कारनामा कर दिखाया, जो दिग्गज वायने रूनी और जेम्स मिलनर भी नहीं कर पाए थे। डोमैन अब प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे कम उम्र के गोल स्कोरर बन गए हैं।

मैच के स्टॉपेज टाइम में जब आर्सेनल 1-0 से आगे था, तब डोमैन ने अपने ही हाफ के बीच से गेंद पर नियंत्रण पाया। उन्होंने अपनी बिजली जैसी रफ्तार और गजब के कौशल से एवर्टन के दो अनुभवी डिफेंडरों को छकाया और गोलकीपर को मात देते हुए गेंद को जाल में पहुंचा दिया। डोमैन ने यह गोल 16 साल और 73 दिन की

फोटोः हि.स.

उम्र में किया। यह प्रीमियर लीग में उनका मात्र तीसरा मैच था। डोमैन ने जेम्स वॉन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2005 में 16 साल 270 दिन की उम्र में गोल किया था। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने डोमैन को फुटबॉल के दिग्गजों की विशिष्ट सूची में शीर्ष पर पहुंचा दिया है।

आर्सेनल के कोच मिकेल आर्टेटा ने जीत के बाद कहा, डोमैन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह किसी भी परिस्थिति या बड़े प्रतिद्वंद्वी से घबराता नहीं है। वह मैदान पर अपना स्वाभाविक खेल खेलता है। एक स्कूली छात्र का ऐसा प्रदर्शन अविश्वसनीय है।

पॉइंट्स टेबल में आर्सेनल की बादशाहत

इस जीत के साथ आर्सेनल ने खिताब की ओर मजबूती से कदम बढ़ा दिए हैं। **आर्सेनलः** 31 मैच, 70 अंक (पहले स्थान पर) **मैनचेस्टर सिटीः** 30 मैच, 61 अंक (दूसरे स्थान पर)

प्रीमियर लीग के 'यंग गन्स' सबसे युवा गोल स्कोरर

- **मैक्स डोमैनः** 16 वर्ष, 73 दिन (2026)
- **जेम्स वॉनः** 16 वर्ष, 270 दिन (2005)
- **जेम्स मिलनरः** 16 वर्ष, 356 दिन (2002)
- **वायने रूनीः** 16 वर्ष, 360 दिन (2002)

भारतीय ट्रिपल जम्पर सेल्वा प्रभु ने एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप में रजत पदक जीता

एजेंसी (हि.स.)
नईदिल्ली

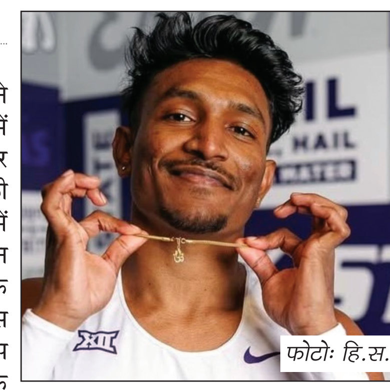
फोटोः हि.स.

भारत के सेल्वा प्रभु ने अमेरिका के फेयेटविले में चल रही एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप में पुरुषों की त्रिकूद (ट्रिपल जंप) में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2022 के रजत पदक विजेता और अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रभु ने शनिवार को 17.05 मीटर की छलांग लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी करियर में पहली बार 17 मीटर की बाधा को पार किया। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने कन्सास स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेलते हुए राष्ट्रीय इंडोर रिकॉर्ड भी बनाया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के हालांकि राष्ट्रीय रिकॉर्ड को प्रमाणित करने के संबंध में सख्त दिशानिर्देश हैं, जिसके कारण अक्सर नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन (एनसीएए) सहित विदेशों में होने वाली प्रतियोगिताओं में किए गए प्रदर्शन को तब तक मान्यता नहीं दी जाती है जब तक कि वे एएफआई की तकनीकी और डोपिंग से जुड़ी जरूरतों को पूरा नहीं करते हैं।

एनसीएए अपना डोप परीक्षण कार्यक्रम स्वयं संचालित करता है, लेकिन उसे विश्व डोपिंग विरोधी एजेंसी वाडा से मान्यता प्राप्त नहीं है।

विविध दर्पण

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवसः स्वस्थ भारत की मजबूत ढाल और 'पोलियो मुक्त' होने का गौरव

आज देशभर में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस टीकाकरण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर वर्ष 16 मार्च को मनाया जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया है कि देश के प्रत्येक बच्चे की स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य हासिल करने के लिए टीकाकरण अनिवार्य है। मंत्रालय ने बताया है कि राज्य सरकारों और समर्पित अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकताओं के साथ मिलकर सरकार बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने के लिए प्रतिबद्ध है। संपूर्ण टीकाकरण कवरेज के तेजी से विस्तार के लिए वर्ष 2014 में मिशन इंद्रधनुष की शुरूआत की गई थी। इसका उद्देश्य शिशु मृत्युदर में कमी लाना और बच्चों में संपूर्ण टीकाकरण को प्रभावी बनाना था।

महत्व

टीकाकरण आपके शरीर के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बीमारियों को पहचानने और उनसे लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। भारत में हाल ही में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सवार्वैक का शुभारंभ है, जो गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम के लिए पहला स्वदेशी एचपीवी टीका है, जिससे सुरक्षा पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गई है। 16 मार्च को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस नजदीक आ रहा है, इसलिए इस अवसर का लाभ उठाकर अपने परिवार के टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करें। चाहे वह फ्लू, एचपीवी या नियमित बूस्टर टीके हों, रोकथाम को प्राथमिकता देकर इस दिन को मनाएं। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (भारत में प्रतिवर्ष 16 मार्च को मनाया जाता है) चिकित्सा कैलेंडर पर केवल एक तारीख से कहीं अधिक है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य में सामूहिक प्रयासों की शक्ति की एक महत्वपूर्ण याद दिलाता है।

टीकाकरण क्यों है अनिवार्य

टीकाकरण दुनिया के सबसे सफल और लागत प्रभावी स्वास्थ्य हस्तक्षेपों में से एक है। यह केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे समुदाय को सुरक्षित करता है। बीमारियों से बचावः खसरा, टिटनेस, डिप्थीरिया, काली खांसी, हेपेटाइटिस-बी, और निमोनिया जैसी घातक बीमारियों को टीकों के जरिए रोका जा सकता है। **शिशु मृत्यु दर में कमीः** नियमित टीकाकरण से बच्चों में संक्रमण का खतरा कम होता है, जिससे शिशु मृत्यु दर (क्ट्फ) में भारी गिरावट आई है। **आर्थिक सुरक्षाः** बीमारी के इलाज पर होने वाले भारी खर्च से परिवार को बचाता है।

'मिशन इंद्रधनुष': भारत का संकल्प

भारत सरकार ने टीकाकरण कवरेज को 90% से अधिक तक ले जाने के लिए 'मिशन इंद्रधनुष' की शुरूआत की। इसका उद्देश्य उन बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचना है, जो नियमित टीकाकरण कार्यक्रम से छूट गए थे। इसमें 12 से अधिक वैक्सीन-निवारक बीमारियों को कवर किया गया है।

चुनौतियां और जागरूकता की कमी

आज भी दूर-दराज के क्षेत्रों में टीकों को लेकर कई भ्रांतियां और 'वैक्सीन हिचकिचाहट' देखी जाती है। **अधूरी जानकारीः** कई लोग टीकों के दुष्प्रभाव के डर से अपने बच्चों का टीकाकरण नहीं करवाते। **पहुंच की कमीः** पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में कोल्ड चेन (टीकों को ठंडा रखने की व्यवस्था) बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है।

2026 में किन टीकों को आवश्यक माना जाएगा

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाते हुए, हमारा ध्यान केवल शिशुओं की सुरक्षा से हटकर सभी की सुरक्षा पर केंद्रित हो गया है। 2026 में भारतीय टीकाकरण परिदृश्य में कुछ रोमांचक बदलाव आने वाले हैं। इस वर्ष के लिए आपकी चेकलिस्ट इस प्रकार है। 2026 की सबसे बड़ी चर्चा भारत के पहले कारगर डेंगू टीके, क्यूडेन्गा की संभावित उपलब्धता को लेकर है। ताकेडा द्वारा विकसित और बायोलॉजिकल ई द्वारा स्थानीय स्तर पर निर्मित यह टीका, डेंगू के प्रकोप से जूझ रहे देश के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा। यह टीका स्थानिक क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों और वयस्कों (4 से 60 वर्ष की आयु) के लिए अनुशंसित किए जाने की संभावना है। भारत में पहली स्वदेशी एचपीवी वैक्सीन, सवार्वैक के लॉन्च के साथ, सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा किफायती और सुलभ हो गई है। 9 से 14 वर्ष की आयु की लड़कियों (संक्रमण से पहले) के लिए इसकी अत्यधिक अनुशंसा की जाती है। 45 वर्ष तक की महिलाओं के लिए कैच-अप टीकाकरण भी उपलब्ध है। टीकाकरण सिर्फ बच्चों के लिए नहीं है। 2026 में, डॉक्टर इन चीजों के लिए जोरदार प्रयास कर रहे हैं। **दाद का टीकाः** 50 वर्ष से अधिक आयु के वयस्कों के लिए, चिकनपॉक्स वायरस के दर्दनाक पुनः सक्रियण को रोकने के लिए।

राष्ट्रीय पांडा दिवसः कुदरत के 'जेंटल जायंट' और उनके अस्तित्व की वैश्विक जंग

हर साल 16 मार्च को पूरी दुनिया 'राष्ट्रीय पांडा दिवस' मनाती है। यह दिन महज एक जीव के प्रति प्रेम प्रकट करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह वन्यजीव संरक्षण की उन चुनौतियों का प्रतीक है, जिनसे आज हमारी पृथ्वी गुजर रही है। काले और सफेद रंग के इस प्यारे जीव को चीन में 'राष्ट्रीय खजाना' और पूरी दुनिया में 'शांति का दूत' माना जाता है।

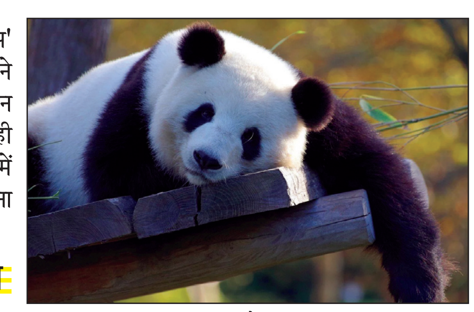

पांडा का प्राचीन इतिहास और विकास

वैज्ञानिक रूप से 'एलुरोपोंडा मेलानोलुका' कहलाने वाले विशाल पांडा का इतिहास लाखों साल पुराना है। जीवाश्मों के अध्ययन से पता चलता है कि पांडा के पूर्वज लगभग 20 लाख साल पहले मध्य और दक्षिण चीन के घने बांस के जंगलों में विकसित हुए थे। हालांकि वे भालू परिवार के सदस्य हैं, लेकिन करोड़ों वर्षों के विकासक्रम में उन्होंने खुद को पूरी तरह से शाकाहारी जीवनशैली में ढाल लिया है।

पांडा की शारीरिक संरचना

पांडा की शारीरिक बनावट उन्हें दुनिया के अन्य भालुओं से अलग बनाती है। **छठी उंगली** : पांडा की कलाई की एक हड्डी 'अंगूठे' की तरह विकसित हुई है। यह उन्हें बांस की टहनियों को किसी इंसान की तरह मजबूती से पकड़ने और छीलने में मदद करती है। **विशिष्ट रंगः** उनके शरीर पर सफेद और काले धब्बे केवल सुंदरता के लिए नहीं हैं। सफेद रंग उन्हें बर्फ में और काला रंग घने जंगलों की छाया में छिपने में मदद करता है। **भोजन की आदतेंः** पांडा का 99% आहार बांस है। एक वयस्क पांडा को अपनी ऊर्जा बनाए रखने के लिए दिन में 12 से 14 घंटे केवल खाने में बिताने पड़ते हैं, जिसमें वह 12 से 38 किलो तक बांस खा जाता है।

संरक्षण की कहानी

1980 के दशक में पांडा विलुप्ति की कगार पर थे। शिकार और वनों की कटाई के कारण इनकी संख्या 1000 से भी कम रह गई थी। **चीन के प्रयासः** चीन सरकार ने पांडा के संरक्षण के लिए 60 से अधिक 'नेचर रिजर्व' बनाए। **बड़ी सफलताः** दशकों के कड़े संरक्षण प्रयासों के बाद, 2016 में 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' (IUCN) ने पांडा को 'विलुप्तप्राय' की सूची से हटाकर 'अतिसंवेदनशील' की श्रेणी में डाल दिया। यह वन्यजीव संरक्षण के इतिहास की सबसे बड़ी जीत मानी जाती है।

पांडा और 'सॉफ्ट पावर'

पांडा केवल एक जानवर नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का एक हिस्सा भी है। चीन 'पांडा डिप्लोमेसी' के तहत दुनिया के विभिन्न देशों (जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, जापान) को दोस्ती के प्रतीक के रूप में पांडा लीज पर देता है। इससे प्राप्त होने वाले फंड का उपयोग पांडा के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवास को बचाने में किया जाता है।

भविष्य की चुनौतियां

भले ही पांडा की संख्या बढ़ी है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। **बांस के जंगलों का सिमटनाः** जलवायु परिवर्तन के कारण बांस के उगने के क्षेत्र बदल रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगले 80 वर्षों में पांडा के आवास का एक-तिहाई हिस्सा खत्म हो सकता है। **आवास का विखंडनः** सड़कों और रेल लाइनों के निर्माण से जंगल छोटे टुकड़ों में बंट गए हैं, जिससे पांडा के अलग-अलग समूहों का मिलन और प्रजनन कठिन हो गया है।

यह कर सकते हैं हम

राष्ट्रीय पांडा दिवस पर हमें यह समझने की जरूरत है कि पांडा को बचाना केवल एक प्रजाति को बचाना नहीं है, बल्कि उस पूरे पारिस्थितिक तंत्र को बचाना है जिसमें हजारों अन्य छोटे जीव और वनस्पतियां रहती हैं। **प्लास्टिक मुक्त जीवनः** ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए व्यक्तिगत प्रयास। **वन्यजीव संगठनों का समर्थनः** WWF जैसे संगठनों की मदद करना जो जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं।

पांडा से जुड़े 5 रोचक तथ्य

छोटे जन्मः जन्म के समय पांडा का बच्चा एक चूहे के बराबर (लगभग 100 ग्राम) होता है, लेकिन वयस्क होने पर यह 100-150 किलो का हो जाता है। **कुशल तैराकः** पांडा न केवल पेड़ पर चढ़ने में माहिर होते हैं, बल्कि वे बहुत अच्छे तैराक भी होते हैं। **सुस्त लेकिन फुर्तीलेः** दिखने में सुस्त लगने वाले पांडा जरूरत पड़ने पर काफी तेज भाग सकते हैं। **अकेलापन पसंदः** पांडा को अकेले रहना पसंद है और वे अपनी गंध के जरिए एक-दूसरे से संवाद करते हैं। **सोना और खानाः** एक पांडा अपने जीवन का आधे से ज्यादा समय सोने और खाने में बिताता है।

पीएमडीए सीईओ के. मकरंद पांडुरंग ने वसंत उत्सव में स्कूल श्रेणी के विजेताओं को किया सम्मानित

सतलुज पब्लिक स्कूल की टीम ने प्रथम तथा डीसी मॉडल स्कूल की टीम ने जीता द्वितीय पुरस्कार

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित टाउन पार्क में 13 से 15 मार्च तक आयोजित वसंत उत्सव के अंतिम दिन आज विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के. मकरंद पांडुरंग ने स्कूल श्रेणी में सबसे अधिक पुरस्कार जीतने वाली सतलुज पब्लिक स्कूल की टीम को प्रथम पुरस्कार तथा डीसी मॉडल स्कूल की टीम को द्वितीय पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। सतलुज पब्लिक स्कूल ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुल 31 पुरस्कार, जबकि डीसी मॉडल स्कूल ने 27 पुरस्कार जीते। उन्होंने दोनों टीमों को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उनके साथ उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व विषय पर सैंड आर्ट शो का शानदार प्रदर्शन भी किया गया। सैंड आर्ट शो के माध्यम से कलाकारों ने मिट्टी की कला द्वारा यह दर्शाया कि किस प्रकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2015 में हरियाणा से शुरू किया गया ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व अभियान राज्य में एक जन आंदोलन बन गया है। स्कूलों में जागरूकता अभियान, अस्पतालों में सघन निगरानी तथा हरियाणा के लोगों के सहयोग से पिछले 11 वर्षों में लिंगानुपात में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। इसके साथ-साथ बेटियों और महिलाओं के प्रति लोगों का दृष्टिकोण भी सकारात्मक रूप से बदला है। सैंड आर्ट शो के माध्यम से यह भी दर्शाया गया कि आज बेटियां हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। बेटियां आज पायलट बनकर जहाज उड़ा रही हैं, सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही हैं, डॉक्टर बनकर लोगों को नया जीवन दे रही हैं और प्रशासन व शासन में महत्वपूर्ण पदों पर रहकर अहम निर्णय ले रही हैं। हरियाणा की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपना नाम कमा रही हैं। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में बेटियों को न केवल सपने देखने का अधिकार दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें पूरा करने के अवसर भी प्रदान किए जा रहे हैं। हरियाणा की बेटियां अपनी मेहनत के बल पर पूरे विश्व में देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। इसके उपरांत श्री के. मकरंद पांडुरंग ने कैक्टस गार्डन का भी दौरा किया। श्री के मकरंद पांडुरंग का विजन है कि पंचकूला के 8 एकड़ में फैले कैक्टस गार्डन को विश्व के सर्वश्रेष्ठ कैक्टस गार्डनों में शामिल किया जाए। इसी उद्देश्य से पिछले एक वर्ष के दौरान गार्डन का व्यापक जीर्णोद्धार किया गया, जिसके तहत कैक्टस की लगभग 300 नई प्रजातियां शामिल की गई हैं।

कैक्टस गार्डन के क्यूरेटर मेजर जनरल सी.एस. बेवली (सेवानिवृत्त) ने बताया कि श्री मकरंद पांडुरंग ने पहले दिन से ही कैक्टस गार्डन को नया स्वरूप देने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। पुणे (महाराष्ट्र) से 50 से अधिक बड़े कैक्टस पौधे भी यहां मंगवाए गए हैं। गार्डन के पुनः खुलने के बाद बड़ी संख्या में दर्शक इसके नए स्वरूप को देखने के लिए पहुंच रहे हैं।

वसंत मेला उत्सव' में हरियाणा राज्य चुनाव आयोग का शिविर आकर्षण का केंद्र बना

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा राज्य चुनाव आयोग द्वारा पंचकूला स्थित यवनिका पार्क में तीन दिवसीय 'वसंत मेला उत्सव' के दौरान मतदाताओं को जागरूक करने के मकसद से एक पवेलियन (शिविर) तैयार किया गया।

इस शिविर का उद्देश्य आम जन को आयोग के कामकाज के बारे में जागरूक करना था। शुक्रवार को आरंभ हुए इस उत्सव के दौरान तीन दिनों तक शिविर पर नागरिकों को मतदान के अधिकार के बारे में जागरूक और संवेदनशील किया गया और उन्हें हर चुनाव में मतदान करने की शपथ दिलाई गई। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा राज्य चुनाव आयोग को पूरा भरोसा है कि यह पहल स्थानीय निकायों के चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

अपने तरह की इस अनोखी पहल के जरिए आयोग को विभिन्न आयु वर्ग के नागरिकों की ओर से बहुत ही उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। वसंत उत्सव का उद्घाटन शुक्रवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा किया गया था। मुख्यमंत्री ने इस दौरान हरियाणा राज्य चुनाव आयोग के इस अनोखे शिविर का अवलोकन किया और आयोग की इस पहल की सराहना भी की। इस अवसर पर आयोग की ओर से शिविर को अधिक ज्ञानवर्धक और आकर्षक बनाने हेतु, स्थानीय निकायों के चुनावों से संबंधित एक प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन किया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

नागरिकों को एश्ट के कामकाज के बारे में जागरूक करने के लिए प्रदर्शन हेतु एक डमी एश्ट भी शिविर में स्थापित की गई। शुक्रवार को, हरियाणा के माननीय राज्य चुनाव आयुक्त श्री देविंदर सिंह कल्याण ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और आम जन से संवाद किया।

प्रवक्ता ने बताया कि 'वसंत उत्सव' के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने आयोग के शिविर का अवलोकन किया और हरियाणा राज्य चुनाव आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के चुनावों के संचालन के संबंध में उपयोगी जानकारी प्राप्त की। इस शिविर के जरिए आयोग जमीनी स्तर पर नागरिकों के साथ जुड़ सकने में कामयाब रहा।

महाराजा अग्रसेन ने समाज में समानता, सहयोग और सेवा का संदेश दिया: कुलभूषण गोयल

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति तथा जनरल हाउस की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, चंडीगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश तथा गुजरात सहित कई राज्यों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सम्मेलन के हरियाणा के प्रदेश प्रधान कुलभूषण गोयल ने सभी अतिथियों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन की गतिविधियों और उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। कुलभूषण गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए महाराजा अग्रसेन की नीतियों और आदर्शों पर चलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज में समानता, सहयोग और सेवा की भावना का संदेश दिया था, जिसे आज भी अपनाकर समाज को संगठित और सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी राज्यों से आए प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में समाज के विकास, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए मिलकर कार्य करें। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत बनाने, समाजहित के विभिन्न कार्यक्रमों तथा भविष्य की योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में गोपाल शरण गर्ग, सीबी गोयल, आनंद सिंगला और दीपक जिंदल सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिहार से आए प्रेस डेलीगेशन ने पंजाब लोक भवन में पंजाब के गवर्नर से मुलाकात की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

बिहार से आए एक प्रेस डेलीगेशन ने प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के मीडिया आउटरीच प्रोग्राम के तहत पंजाब के गवर्नर और यू टी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया से पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में मुलाकात की। भारत सरकार की इस पहल का मकसद पत्रकारों को अलग-अलग इलाकों में विकास की पहल, सेंट्रल स्कीम और गवर्नेंस प्रक्रियाओं के बारे में सीधे जानकारी देना है।

एक इंटरैक्टिव सेशन के दौरान, गवर्नर ने आए पत्रकारों से पंजाब और चंडीगढ़ के दौरे के दौरान अपने अनुभवों के बारे में फीडबैक मांगा। पत्रकारों ने पंजाब के प्रमुख हेरिटेज स्थानों, जैसे जलियांवाला बाग, अटारी बॉर्डर और स्वर्ण मंदिर घूमने के बाद अपने अनुभव साझा किए और राज्य की समृद्ध और आध्यात्मिक विरासत की प्रशंसा की।

चंडीगढ़ दौरे के दौरान, पत्रकारों ने चंडीगढ़ के पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स जिनमें रिन्यूएबल एनर्जी साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी, सीटीयू द्वारा संचालित पी एम ई-बस सेवा, सेक्टर-16 में सरकारी मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल, सुखना लेक, रॉक गार्डन, सेक्टर-18 में एयर फोर्स म्यूज़ियम और अन्य विशिष्ट स्थानों का दौरा किया। गवर्नर ने डेलीगेशन को चंडीगढ़ में विकास प्रयासों को अधिक मजबूत करने के लिए अच्छे सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया।

आए हुए पत्रकारों ने गवर्नर से विभिन्न विकास गतिविधियों की प्रगति पर अपनी संतुष्टि जताई और सौहार्द बातचीत और विचार साझा करने का अवसर प्रदान करने की सराहना की।

संक्षिप्त-समाचार

माता मनसा देवी मंडल के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

पंचकूला। पं दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत माता मनसा देवी मंडल की कार्यशाला सेक्टर 10 के सामुदायिक केंद्र में आयोजित की गयी। दो दिवसीय कार्यशाला में कुल सात सत्र लगाए गए, प्रत्येक सत्र में जिला संगठन द्वारा नियुक्त वक्ताओं ने कार्यकर्ताओ को भाजपा का इतिहास, कार्य विस्तार योजना, कार्य पद्धति, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाएं, सोशल मीडिया/एआई का प्रयोग एवं बूथ प्रबंधन जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया। मंडल अध्यक्ष प्रमोद शर्मा वत्स ने बताया कि दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, सामूहिक भोज, नेताओं और पदाधिकारियों का शिविर स्थल पर रात्रि प्रवास एवं भोर प्रातः कार्यकर्ताओ द्वारा योगाभ्यास करना सभी के लिए बहुत ही यादगार और अनूठा अनुभव रहा। प्रमोद शर्मा ने आयोजन की तैयारियों में लगे मंडल पदाधिकारियों एवं मार्गदर्शन हेतु जिला टीम का धन्यवाद किया।

इटरनिटी एन्ड प्रोटॉक कंपनी द्वारा आयोजित तीसरे रक्तदान शिविर में 87 यूनिट रक्त हुआ एकत्र

चंडीगढ़। इटरनिटी एन्ड प्रोटॉक कंपनी द्वारा आयोजित तीसरे रक्तदान शिविर में 87 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। उक्त जानकारी देते हुए प्रवक्ता टीआर ठाकुर, जिन्होंने खुद भी आज 79वीं वार रक्तदान किया, ने बताया कि ये रक्तदान शिविर कंपनी के संस्थापकों अंकुर बख्शी एवं सजिल घई व निदेशकों हरनीत सिंह एवं गौरव वोहरा द्वारा सीएसआर एक्टिविटी के तहत लगाया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले लगाए गए दो रक्तदान शिविरों में भो 100 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र हुआ था। उन्होंने बताया कि कम्पनी द्वारा भी तक अनेक समाजसेवी कार्य किए जा चुके हैं जिनमें लंगर सेवा, जल सेवा, विकलांग एवं वरिष्ठ नागरिक सहयोग तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए मुफ्त शिक्षा आदि जैसे परोपकारी कार्य शामिल हैं। टीआर ठाकुर ने कहा कि कम्पनी भविष्य में भी इस प्रकार के परोपकारी कार्यो काआयोजन करती रहेगी।

एंजल्स प्ले स्कूल ने मनाया अपना वार्षिकोत्सव, नन्हें बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से किया मंत्रमुग्ध

चंडीगढ़। एंजल्स प्ले स्कूल, मनीमाजरा, चंडीगढ़ का एनुअल फंक्शन सेक्टर 18 के टैगोर थिएटर में रविवार 15 मार्च 2026 को बड़े ही जोश और उत्साह से मनाया गया। स्कूल के नन्हे नन्हे बच्चों ने इस कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनोरंजक डांस, स्किट और कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों को स्टेज पर थिरकता देख सामने बैठे अभिभावक भी बेहद खुश हो रहे थे। इस समारोह में छोटे-छोटे बच्चों ने जमकर धमाल मचाया। रंग-बिरंगे कपड़ों में कार्यक्रम में पहुंचे बच्चों के डांस को देखकर उनके अभिभावक भी झूमने को मजबूर हो गए। स्कूल की प्रिंसिपल अमनप्रीत कौशल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के मन में सबके सामने परफॉर्म करने के डर को निकालना है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्कूल के शिक्षक और अभिभावक का भी आभार जताया। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना के साथ हुई।इसके बाद नन्हे नन्हे बच्चों ने प्रभु भक्ति की प्रस्तुति दे सबका मन मोह लिया। जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद, शिक्षकों और बच्चों के रिश्ते की गहराई को दशार्ते हुए गीत पर प्रस्तुति दी गई। बच्चों ने परंपरागत नृत्य के साथ-साथ पश्चिमी संस्कृति की झलक भी प्रस्तुत की, जिससे भारतीय और वैश्विक संस्कृतियों का अद्भुत समागम दिखा। कार्यक्रम के अंत मे स्कूल के सभी बच्चों को मैडल पहना कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। वहीं परिजनों ने एंजेलज प्ले स्कूल द्वारा बच्चों में बचपन से ही दिए जा रहे संस्कार और मजबूत नींव की सराहना की।

मौली जागरां होगा नशा मुक्त, जनसभा में इंस्पेक्टर नरेंद्र पटियाल व अनिल दुबे ने लोगों को भरोसा दिलाया

चंडीगढ़। एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत चंडीगढ़ क्राईम ब्रांच द्वारा चलाए जा रहें अभियान की कड़ी में आज वार्ड न. 7 मौली जागरां में पूर्व डिप्टी मेयर व एरिया के पार्षद रहें अनिल कुमार दुबे के द्वारा आयोजित नशे के विरुद्ध जागरूकता विशाल जनसभा में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर चंडीगढ़ क्राईम ब्रांच के इंस्पेक्टर नरेंद्र पटियाल व उनकी पूरी टीम मौजूद थी। इंस्पेक्टर नरेन्द्र पटियाल ने कहा कि एमडी, स्मैक, चरस व गांजा जैसे जानलेवा नशों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाएगी तथा नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी होगा।और उन्होंने नशा बेचने वालों को 10 दिन का अल्टीमेटम देते कहा की अगर उन्होंने नशा बेचना बंद नहीं किया तो उनके खिलाफ सख़्त से सख़्त कार्रवाई करते हुए सलाखों के पीछे डालने का काम चंडीगढ़ क्राईम ब्रांच की टीम करेगी।

दो दिवसीय पीएम विश्वकर्मा प्रदर्शनी-सह-व्यापार मेला सफलतापूर्वक संपन्न

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत एमएसएमई-विकास एवं सुविधा कार्यालय (डीएफओ), लुधियाना द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत कारीगरों एवं शिल्पकारों को विपणन सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 12 से 13 मार्च 2026 तक लाला लाजपत राय भवन, सेक्टर-15बी, चंडीगढ़ में दो दिवसीय ह्लपीएम विश्वकर्मा प्रदर्शनी-सह-व्यापार मेलाह्व आयोजित किया गया। यह प्रदर्शनी 13 मार्च 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई।इस दो दिवसीय पीएम विश्वकर्मा प्रदर्शनी के दौरान पंजाब, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ तथा पड़ोसी राज्यों, जिनमें हरियाणा से भी आए पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों द्वारा 64 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जिनमें उनके पारंपरिक एवं नवाचार आधारित हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। एमएसएमई-डीएफओ, लुधियाना द्वारा सभी प्रतिभागी कारीगरों को निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए गए, तथा प्रदर्शनी में आगंतुकों के लिए प्रवेश भी निःशुल्क रखा गया।प्रदर्शनी में लगभग 1000 आगंतुकों ने भाग लिया और कारीगरों द्वारा प्रदर्शित उत्पादों की खरीदारी की। प्रतिभागियों ने आम जनता की उत्साहजनक प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा ग्राहकों तक सीधे अपने उत्पादों के विपणन का अवसर मिलने पर संतोष व्यक्त किया। विभिन्न सरकारी विभागों एवं संस्थानों, जिनमें इंडिया पोस्ट तथा पंजाब नेशनल बैंक शामिल हैं, ने भी अपने स्टॉल लगाकर पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी एवं सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री कृष्ण कुमार, सहायक निदेशक, श्री दीपक चेची, सहायक निदेशक तथा एमएसएमई-डीएफओ, लुधियाना के अन्य अधिकारियों द्वारा किया गया। श्री कृष्ण कुमार के पर्यवेक्षण में प्रदर्शनी का सफल संचालन किया गया। यह आयोजन स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करने तथा पीएम विश्वकर्मा योजना के उद्देश्यों को सुदृढ़ करने में अत्यंत सफल सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन एक जानकारीपूर्ण एवं तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री कृष्ण कुमार, सहायक निदेशक, एमएसएमई-डीएफओ, लुधियाना ने सभी गणमान्य अतिथियों एवं कारीगरों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर श्री कृष्ण कुमार एवं श्री दीपक चेची ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। श्री दीपक चेची, सहायक निदेशक, एमएसएमई-डीएफओ, लुधियाना ने पीएम विश्वकर्मा योजना के विभिन्न घटकों जैसे कौशल उन्नयन, टूलकिट सहायता, ऋण सुविधा एवं विपणन सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार भी व्यक्त किया। सुरिंदर कुमार सिंघल, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (एलडीएम), चंडीगढ़ ने पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों के लिए उपलब्ध विभिन्न वित्तीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने एमएसएमई-डीएफओ के प्रयासों की सराहना की तथा ऋण स्वीकृति में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस तकनीकी सत्र में पंजाब के विभिन्न जिलों के निम्नलिखित एलडीएम भी सक्रिय रूप से शामिल हुए: गुरपरमिंदर सिंह, एलडीएम, बरनाला; गुरदीप सिंह, एलडीएम, लुधियाना; अपर्णा शर्मा, एलडीएम, अमृतसर; चिरंजीव सिंह, एलडीएम, मोगा; सुरमुख सिंह, एलडीएम, संगरूर; गीता मेहता, एलडीएम, फिरोजपुर; संजीव अग्रवाल, एलडीएम, पटियाला; गायनेन्द्र मौदगुल, एलडीएम, तरनतारन आदि।

गैस सिलेंडरों की बढ़ी कीमतों के खिलाफ आपकी आवाज पार्टी का जोरदार प्रदर्शन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

घरेलू गैस सिलेंडरों की अचानक बढ़ी कीमतों के विरोध में शनिवार को वार्ड नंबर 14 के स्थानीय लोगों ने ह्यआपकी आवाज पार्टीह्व के बैनर तले केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान आपकी आवाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक प्रेमपाल चौहान ने कहा कि देश की जनता पहले ही महंगाई की मार से परेशान है और अब घरेलू गैस सिलेंडरों की कीमतों में अचानक वृद्धि ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस सिलेंडरों की कमी के कारण लोगों को लंबी-लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है और कई घरों के चूल्हे तक बंद हो गए हैं। चौहान ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग पहले से ही बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रहा है। ऐसे में गैस सिलेंडरों की बढ़ती कीमतें और कमी आम लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार हालात को ठीक बताकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से अपील करते हुए कहा कि प्रशासन को सख्त निर्देश दिए जाएं, ताकि गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुचारू रूप से हो और लोगों को लंबी लाइनों में खड़ा न होना पड़े। प्रशासन के अधिकारियों को भी लोगों के बीच जाकर स्थिति का जायजा लेना चाहिए, ताकि किसी प्रकार से शहर का माहौल खराब न हो।

ROTTO North, PGIMER ने SAMARTHAN 2026 में अंगदान के चैंपियनों को सम्मानित किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

ROTTO North, PGIMER चंडीगढ़ द्वारा आयोजित एक उटए-सह-कार्यशाला, SAMARTHAN 2026 में देश भर से 200 से अधिक प्रतिनिधि और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ एक साथ आए। इस कार्यक्रम का समापन एक सशक्त आह्वान के साथ हुआ, जिसमें उत्तरी भारत में अंग दान और प्रत्यारोपण कार्यक्रमों को मजबूत करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने पर जोर दिया गया कि जीवन बचाने वाले प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे ज्यादा से ज्यादा मरीजों को 'जीवन का अनमोल उपहार' मिल सके।

इस सम्मेलन का एक मुख्य आकर्षण एक विशेष सम्मान समारोह था, जिसमें अंग दान को बढ़ावा देने और प्रत्यारोपण कार्यक्रमों में सहयोग देने के लिए 18 व्यक्तियों और संस्थानों के उत्कृष्ट योगदान को मान्यता दी गई। सम्मानित होने वालों में विभिन्न क्षेत्रों के हितधारक शामिल थे–जिनमें चिकित्सा पेशेवर, अस्पताल सहायक कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता, सरकारी अधिकारी, युवा राजदूत और डिजिटल प्रचारक शामिल हैं–जिनके समर्पित प्रयासों ने अंग दान आंदोलन को काफी मजबूती दी है और जीवन बचाने वाले अंग दान तथा प्रत्यारोपण के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में मदद की है। SAMARTHAN 2026 के समापन सत्र की शोभा डॉ. सुमन सिंह, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ, चंडीगढ़ प्रशासन, ने मुख्य अतिथि के रूप में, और ज्योतिंदर कौर बाजवा, संयुक्त आयकर आयुक्त, चंडीगढ़, ने विशिष्ट अतिथि के रूप में बढ़ाई।

सम्मानित होने वालों के उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए डॉ. सुमन सिंह ने कहा, आज सम्मानित किए गए व्यक्ति करुणा और सेवा की उस सच्ची भावना का प्रतीक हैं जो अंग दान आंदोलन को जीवित रखती है। उनका समर्पण–अस्पताल सहायक कर्मचारियों और स्वास्थ्य पेशेवरों से लेकर सामुदायिक कार्यकताओं और डिजिटल प्रभावशाली लोगों तक–यह दशार्ता है कि अंग दान के माध्यम से जीवन बचाना वास्तव में एक सामूहिक प्रयास है। ऐसे योगदानों को मान्यता देना न केवल उनके काम का सम्मान है, बल्कि यह और भी कई नागरिकों को आगे आने और इस जीवन बचाने वाले मिशन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित भी करता है।

PGIMER के अस्पताल सहायक कर्मचारियों में से जिन्हें सम्मानित किया गया, उनमें श्री हीरा सिंह, जूनियर लैब टेक्नीशियन, इम्यूनोपैथोलॉजी विभाग; श्रीमती जसविंदर कौर, नर्सिंग अधिकारी,सतनाम कौर, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी विभाग; श्री संजीव कुमार (सुरक्षा विभाग से); और श्री जसपाल तथा श्री... शामिल थे। मनीष, ATC, PGIMER के हॉस्पिटल अटेंडेंट, जिनकी समर्पित सेवाओं ने ट्रांसप्लांट से जुड़ी देखभाल और हॉस्पिटल के तालमेल में अहम भूमिका निभाई है।

नागरिक समाज और सामुदायिक संगठनों से, जिन लोगों को सम्मानित किया गया, उनमें शामिल थे: डॉ. नीलम, रक्षा फाउंडेशन की सामाजिक कार्यकर्ता; श्री आशीष कुमार, पंजाब सिविल सचिवालय के सुपरिटेंडेंट; श्री मनमोहन जी, विश्व मानव रूहानी केंद्र से; श्री गुरप्रीत सिंह, निश्चय फाउंडेशन से; श्री प्रशांत, सामुदायिक स्वयंसेवक; और सुश्री दमनजीत कौर, सुख फाउंडेशन की डायरेक्टर; अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में उनके लगातार प्रयासों और सामुदायिक जुड़ाव के लिए।

इससे पहले दिन में, तकनीकी सत्रों और विशेषज्ञों के साथ चचाओं की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसका उद्देश्य पूरे उत्तरी भारत में अंगदान के इकोसिस्टम को मजबूत करना था। यह वर्कशॉप, जिसका विषय था सहयोग, सर्वोत्तम प्रथाओं और साझा सीख के माध्यम से अंगदान को मजबूत बनाना, होटल माउंटव्यू, चंडीगढ़ में आयोजित की गई थी। इसमें स्वास्थ्य प्रशासक, ट्रांसप्लांट समन्वयक, नीति विशेषज्ञ, चिकित्सक, और सामुदायिक कार्यकर्ता एक साथ आए, जो अंगदान और ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. विवेक लाल, डायरेक्टर, PGIMER ने किया, जो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे: अनिल कुमार, डायरेक्टर, राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन और डॉ. अमरजीत कौर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से। यह सम्मेलन अंगदान में क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने और भारत के उत्तरी राज्यों में अंग प्राप्त करने और ट्रांसप्लांट प्रणालियों को मजबूत करने के लिए एक समन्वित रूपरेखा पर विचार-विमर्श करने हेतु एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि जहाँ एक ओर भारत ने राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण कार्यक्रम के तहत लगातार प्रगति की है, वहीं परिचालन संबंधी कमियों को दूर करने और जन जागरूकता को काफी हद तक बढ़ाने के लिए अस्पतालों, प्रशासकों, नागरिक समाज संगठनों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच निरंतर सहयोग अत्यंत आवश्यक है।